page 1 and 8 July 5_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/5/2026 1:55 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 डिव कॉम ने एयरफील्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की

5 जोकोविच ने फेडरर के 105 विंबलडन जीत के रिकार्ड की बराबरी की

8 डीसी कठुआ ने कठुआ क्रिकेट लीग का किया शुभारंभ

मौसम जम्मू न्यूनतम 26 अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-166 | जम्मू तवी, रविवार 05 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति का अगला चरण सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार : मोदी

साणंद, 04 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में सीजी सेमी की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार पिछले एक दशक में आई इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति का अगला चरण है। उन्होंने कहा कि देश का लक्ष्य चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन और पैकेजिंग तक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करना है, जिससे पूरी इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन भारत में स्थापित होगी। 7,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित यह संयंत्र इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत पहली चार परियोजनाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत जो ठान लेता है, उसे पूरा करके दिखाता है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष पहले भारत ने देश को सेमीकंडक्टर हब बनाने का संकल्प लिया था और 'डिजाइन इन इंडिया' तथा 'मेक इन इंडिया' के मंत्र के साथ आगे बढ़ते हुए

आज देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट में चिप पैकेजिंग का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में उन्हें इस परियोजना का शिलान्यास करने का अवसर मिला था, अगस्त 2025 में यहां टेस्टिंग चिप का काम शुरू हुआ और अब इसका उद्घाटन हो गया है। उन्होंने कहा कि शिलान्यास से उत्पादन तक का यह सफर अनेक लोगों के परिश्रम का परिणाम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सीजी सेमी का यह संयंत्र भारत, जापान और थाईलैंड के औद्योगिक साझेदारों के साझा प्रयासों का प्रतीक है। यह केवल

वर्ष 2024 में उन्हें इस परियोजना का शिलान्यास करने का अवसर मिला था, अगस्त 2025 में यहां टेस्टिंग चिप का काम शुरू हुआ और अब इसका उद्घाटन हो गया है। उन्होंने कहा कि शिलान्यास से उत्पादन तक का यह सफर अनेक लोगों के परिश्रम का परिणाम है

एक व्यावसायिक उपक्रम नहीं बल्कि तकनीक, भरोसे और साझेदारी का ऐसा मॉडल है, जो भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि इस संयंत्र से हर वर्ष 20 करोड़ चिप्स का उत्पादन होगा, यानी प्रतिदिन डेढ़ करोड़ से अधिक चिप्स बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह लक्ष्य जल्द हासिल किया जाएगा और कहा कि सेमिकॉन इंडिया कार्यक्रम स्टेप बाय स्टेप, ब्रिक बाय ब्रिक और अब चिप बाय चिप आगे बढ़ रहा है।

गृह मंत्रालय ने यूएपीए के तहत 23 और व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया

श्रीनगर, 04 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने शनिवार को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 23 और व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया। इनमें जम्मू-कश्मीर के 11 मूल निवासी भी शामिल हैं। यह कदम पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से संचालित सीमा पार आतंकी नेटवर्क को कमजोर करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार इन सभी नामों को यूएपीए की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। वर्ष 2019 में कानून में संशोधन के बाद केंद्र सरकार को व्यक्तियों को सीधे आतंकवादी घोषित करने का अधिकार मिला था। इस नए निर्णय के साथ यूएपीए के तहत

आतंकवादी घोषित व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद के खिलाफ 卐जीरो टॉलरेंस卐 की नीति पर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गृह मंत्रालय के अनुसार, आतंकवादी घोषित किए गए 23 व्यक्तियों में 17 पाकिस्तान के नागरिक हैं, जबकि छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से सक्रिय बताए गए हैं। इन पर आतंकवादी हमलों, सीमा पार घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, आतंकियों की भर्ती, वित्तीय सहायता और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों को रसद उपलब्ध कराने के आरोप हैं।

जम्मू-कश्मीर के जिन 11 मूल निवासियों को आतंकवादी घोषित किया गया है, उनमें मसूद इलियास कश्मीरी, अब्दुल्ला जिहादी, फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर, मोहम्मद याकूब, ओवैस फारूक, वसीम नूर जट और मोहम्मद शाहिद फैसल शामिल हैं।

अधिसूचना में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, जमात-उद-दावा, हरकत-उल-मुजाहिदीन, पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग, अल-कायदा और आईएसआईएस से जुड़े आतंकियों के नाम भी शामिल किए गए हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि इन व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, भर्ती गतिविधियों, आवाजाही और आतंकी संचालन क्षमता पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत किया जा सकेगा।

शिक्षा विभाग में एलजी का बड़ा एक्शन-8 अधिकारी निलंबित, विवादित पुस्तकों पर सख्त कार्रवाई, जांच के आदेश

जम्मू, 04 जुलाई । जम्मू-कश्मीर में शिक्षा विभाग से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है जिसमें उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के निर्देश पर 8 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई विभाग में अनियमितताओं और विवादित पुस्तकों के मामले को लेकर की गई है। जारी आदेश के अनुसार निलंबित किए गए अधिकारियों में समग्र शिक्षा, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े अधिकारी शामिल हैं। इनमें लाइब्रेरी कोऑर्डिनेटर, असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर, प्रिंसिपल, अकादमिक ऑफिसर और लेक्चरर स्तर के अधिकारी शामिल हैं जो जम्मू, कठुआ, बडगाम, किश्तवाड़ और पुंछ समेत विभिन्न जिलों में तैनात थे। सरकार ने निलंबन के साथ-साथ मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश भी जारी किए हैं। पावर डेवलपमेंट विभाग के वित्तीय आयुक्त अश्वनी कुमार को इस मामले का जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है जबकि सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त सचिव रोहित शर्मा को प्रेजेंटिंग ऑफिसर बनाया गया है। जांच अधिकारी को 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि के दौरान सभी अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में रहेंगे। इसके अलावा, समग्र शिक्षा से जुड़े एक संविदा कंप्यूटर सहायक की सेवाएं भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं। सबसे अहम बात यह है कि जिन लेखकों और प्रकाशकों की पुस्तकों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ उन्हें जम्मू-कश्मीर में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। साथ ही उनके द्वारा प्रकाशित सभी सामग्री को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की इस सख्त कार्रवाई को शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

उपराज्यपाल ने अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा, तीर्थयात्रियों से वैध रजिस्ट्रेशन के साथ ही यात्रा करने की अपील की

श्रीनगर, 04 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को चल रही श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के कुल प्रबंधन और ज़मीनी हालात का जायजा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी विभागों को वार्षिक यात्रा के सुरक्षित और सुचारू संचालन के लिए बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षाबल, श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड, इंटेलिजेंस ब्यूरो, गृह विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उपराज्यपाल ने तीर्थयात्रियों की आवाजाही, ट्रैफ़िक प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, ठहरने की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की स्थिति और यात्रा के अन्य लॉजिस्टिकल पहलुओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान यह देखा गया कि बड़ी संख्या में तीर्थयात्री बिना वैध रजिस्ट्रेशन के आ रहे हैं जिसके कारण लंबा इंतज़ार करना पड़ रहा है और संचालन में चुनौतियाँ आ रही हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि यात्रा सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार यात्रा मार्गों पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही की तय सीमा के अनुसार आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रजिस्ट्रेशन शेड्यूल का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है।

पहले दो दिनों में 26,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने श्री अमरनाथ गुफा मंदिर में किए दर्शन

श्रीनगर, 04 जुलाई । संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने शनिवार को बताया कि वार्षिक तीर्थयात्रा के पहले दो दिनों में 26,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए।

आईजीपी कश्मीर वी.के. बर्डी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गर्ग ने कहा कि पहलगाम और बालटाल के दोहरे मार्गों से 3 जुलाई को शुरू हुई यह यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है।

पत्रकारों से बात करते हुए गर्ग ने कहा कि सुरक्षित और आरामदायक तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवा, पेयजल, विश्राम स्थल, आपदा प्रबंधन दल और यात्रा मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था सहित पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन यात्रा के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित क्षमता का सख्ती से पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो गया था और सभी अनिवार्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद पंजीकृत तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान की जा रही है।

हालांकि गर्ग ने बताया कि कई श्रद्धालु बिना पूर्व पंजीकरण के जम्मू और कश्मीर पहुंच गए हैं जिससे असुविधा हो रही है। उन्होंने ऐसे तीर्थयात्रियों से अपनी बारी का इंतजार करने का आग्रह किया और दोहराया कि केवल उन्हीं तीर्थयात्रियों को तीर्थयात्रा करने की अनुमति दी जाएगी जिनके पास उनकी आवंटित तिथि के लिए वैध पंजीकरण होगा।

हाईकोर्ट ने सरवाल पुलिस पोस्ट हमले की एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

जम्मू,, 04 जुलाई । जेएंडके हाईकोर्ट ने पुलिस पोस्ट सरवाल हमले से जुड़े मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दी हैं। न्यायमूर्ति संजय धर ने कहा कि पुलिस थाना बक्शी नगर में दर्ज एफआईआर प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराधों का खुलासा करती है। मामले में पुलिसकर्मियों पर हमला, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, सरवाल पुलिस पोस्ट में घुसकर तोड़फोड़ करने और पुलिस हिरासत से एक व्यक्ति को छुड़ाने जैसे आरोप शामिल हैं। अदालत ने कहा कि इन आरोपों के समर्थन में गवाहों के बयान, घायल पुलिसकर्मियों के मेडिकल रिकॉर्ड और जांच के दौरान जुटाए गए अन्य साक्ष्य मौजूद हैं। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत वह इस स्तर पर मिनी ट्रायल नहीं कर सकता और तथ्यों की सत्यता का परीक्षण ट्रायल कोर्ट में ही होगा।

पुलिस और एसडीआरएफ ने तवी नदी में फंसे चार लड़कों को बचाया

जम्मू, 4 जुलाई । शनिवार को पीर खो मंदिर के पास तवी नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण फंसे चार लड़कों को जम्मू-कश्मीर पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवानों की एक टीम ने बचाया। पुलिस ने बताया कि पुलिस नियंत्रण कक्ष के माध्यम से सूचना मिली थी कि पीर खो मंदिर के पास तवी नदी में स्नान कर रहे चार लड़के अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण फंस गए थे। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ टीम को तुरंत सूचना दी गई जिसके बाद एसडीपीओ सिटी नॉर्थ के नेतृत्व में पक्का डांगा पुलिस स्टेशन से एसडीआरएफ की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि चारों लड़कों को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने कहा कि टीमों की समयबद्ध कार्रवाई से एक बड़ी त्रासदी टल गई। जम्मू पुलिस ने मानसून के मौसम में ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण अचानक जलस्तर बढ़ने की चेतावनी देते हुए लोगों से तवी नदी के किनारों से दूर रहने का आग्रह किया है।

श्रीनगर हवाई अड्डा प्रशासन ने सोमवार और मंगलवार को रनवे को पूरी तरह बंद करने के प्रस्तावित नोटिस को लिया वापस

जुलाई, 4 जुलाई । श्रीनगर हवाई अड्डा प्रशासन ने सोमवार और मंगलवार को रनवे को पूरी तरह बंद करने के प्रस्तावित नोटिस टू एयरमेन (नोटम) को वापस ले लिया है और घोषणा की है कि इस वर्ष सभी दिनों में उड़ानें जारी रहेंगी। हवाई अड्डा प्रशासन ने एक्स पर जारी एक परिचालन अपडेट में कहा कि हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद नहीं रहेगा जबकि परिचालन/निगरानी का समय सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक रहेगा। हालांकि रनवे का रात्रिकालीन रखरखाव अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा। हवाई अड्डा प्रशासन ने कहा कि यात्रियों को सूचित किया जाता है कि इस वर्ष श्रीनगर हवाई अड्डे पर हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद नहीं रहेगी। हवाई अड्डे का परिचालन सभी दिनों में सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक जारी रहेगा। रनवे के रखरखाव के लिए रात्रिकालीन बंद अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार और मंगलवार को रनवे को पूरी तरह बंद करने के संबंध में पहले प्रस्तावित नोटम को वापस ले लिया गया है। इसमें आगे कहा गया है कि एयरलाइनें मौजूदा परिचालन समय के अनुसार अपने शेड्यूल को अपडेट करती रहेंगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी-अपनी एयरलाइनों से अपनी उड़ानों की स्थिति की जांच कर लें और प्रामाणिक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक चैनलों पर ही भरोसा करें।

मुख्यमंत्री उमर ने श्रीनगर एयरपोर्ट रनवे बंदी का फैसला स्थगित करने पर सरकार का जताया आभार

श्रीनगर, 04 जुलाई मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज श्रीनगर एयरपोर्ट के रनवे को बंद करने के प्रस्तावित निर्णय को स्थगित किए जाने पर भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से जम्मू-कश्मीर की हवाई संपर्क व्यवस्था बिना किसी बाधा के जारी रहेगी और यात्रियों, पर्यटन क्षेत्र तथा व्यापार को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को व्यक्तिगत रूप से भारत सरकार के समक्ष उठाते हुए यात्रियों, पर्यटन उद्योग, व्यापार और जम्मू-कश्मीर के लोगों के हितों की रक्षा की मांग की थी, जो प्रस्तावित रनवे बंदी से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने वाले थे। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू जी का आभारी हूं कि उन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुए एयरपोर्ट बंदी के आदेश को स्थगित कर दिया। इस बंदी से नियमित यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता और पर्यटन समूहों तथा पर्यटकों को अपनी निर्धारित यात्राएं रद्द करनी पड़तीं।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 4,812 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, 04 जुलाई । कड़े सुरक्षा इंतज़ामों के बीच शनिवार सुबह सालाना श्री अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से रवाना हुआ। यह काफिला 259 वाहनों में बालटाल और पहलगाम दोनों बेस कैंपों के लिए निकला।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस जत्थे में कुल 4,812 तीर्थयात्री शामिल हैं, जिनमें से 2,041 बालटाल रूट और 2,771 पहलगाम रूट से यात्रा कर रहे हैं। वाहनों के इस काफिले में 95 बसें, 47 मीडियम मोटर वाहन, 116 लाइट मोटर वाहन और एक दोपहिया वाहन शामिल है।

यात्रियों के इस समूह में 3,434 पुरुष, 966 महिलाएं, 11 बच्चे, 244 साधु और 157 साध्वियां

शामिल हैं। बालटाल जाने वाला काफिला सुबह करीब 3:00 बजे रवाना हुआ, जबकि पहलगाम मार्ग का काफिला बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3:24 बजे प्रस्थान कर गया।

इस बीच, दूसरे जत्थे के श्रद्धालुओं ने बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप से आगे की

20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली, 04 जुलाई। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। 25 दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कुल 19 बैठकें होंगी। यह सत्र पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद आयोजित हो रहा है। आगामी सत्र में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में हुए राजनीतिक घटनाक्रम का असर भी देखने को मिल सकता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष टीएमसी के 20 तथा शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों द्वारा अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता देने की मांग लंबित है, जिस पर निर्णय का इंतजार है। राज्यसभा में नव-निर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सांसदों के शपथ ग्रहण के बाद सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संख्या और मजबूत हुई है। राज्यसभा से टीएमसी के तीन बागी सांसद इस्तीफा दे चुके हैं और आगामी उपचुनावों के बाद भाजपा की स्थिति और मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों का मानसून सत्र 2026 के लिए आह्वान किया है।

100 पूर्व सैनिकों को लद्दाख पर्यावरण संरक्षण बल (ईपीएफ) में किया गया तैनात

लेह, 04 जुलाई । लद्दाख के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के उद्देश्य से शुरू की गई अपनी तरह की पहली पहल के तहत शनिवार को 100 पूर्व सैनिकों को लद्दाख पर्यावरण संरक्षण बल (ईपीएफ) में तैनात किया गया।

पूर्व सैनिकों को उनके गंतव्य तक ले जाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि लद्दाख में दुनिया के सबसे नाजुक उच्च-ऊंचाई वाले पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद हैं और यह कई लुप्तप्राय वन्यजीव प्रजातियों का घर है जिन्हें उच्चतम स्तर की सुरक्षा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यटन के साथ-साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी होनी चाहिए और ईपीएफ मानव गतिविधियों और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लोगों का मार्गदर्शन भी करेगा।

उन्होंने कहा कि ईपीएफ हमारे पूर्व सैनिकों के अनुशासन, ईमानदारी और इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को एकजुट करता है। मुझे विश्वास है कि वे न केवल पर्यावरण और वन्यजीव कानूनों के उल्लंघन को रोकेंगे बल्कि लद्दाख भर में स्वच्छता जैव विविधता संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन के राजदूत भी बनेंगे।

उपराज्यपाल ने ईपीएफ सदस्यों को शपथ भी दिलाई जिसमें लद्दाख के पर्यावरण, जंगलों, वन्यजीवों और जैव विविधता की रक्षा में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि प्रत्येक ईपीएफ सदस्य ने अपने निजी जीवन में एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने और अपने परिवार, मित्रों और स्थानीय समुदायों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करने की प्रतिज्ञा भी ली।सेना, अर्धसैनिक बलों और लद्दाख स्काउट्स के पूर्व सैनिकों से युक्त ईपीएफ कर्मियों को केंद्र शासित प्रदेश के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा ताकि अवैध ऑफ-रोडिंग की बढ़ती घटनाओं पर कड़ी निगरानी रखी जा सके जो वन्यजीवों के लिए खतरा और लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचा रही हैं। ईपीएफ को मजबूत करने के लिए इन पूर्व सैनिकों को अपने निर्धारित क्षेत्रों में किसी भी ऐसे उल्लंघन के लिए मौके पर ही चालान जारी करने का अधिकार दिया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि यह अनूठी पहल लद्दाख के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील इलाकों में अवैध ऑफ-रोडिंग, संरक्षित क्षेत्रों के भीतर अनाधिकृत शिविर, वन्यजीवों को परेशान करने और प्रदूषण की बढ़ती घटनाओं के जवाब में शुरू की गई है।

गांवों में प्रवास कर सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाएं : नितिन नवीन

लखनऊ, 04 जुलाई । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उत्तर प्रदेश भाजपा के सभी चुने हुए जनप्रतिनिधियों (सांसदों, विधायकों, पार्षदों, जिला पंचायत सदस्यों) का आह्वान करते हुए कहा कि आप सबको गांवों में प्रवास करना चाहिए एवं हर मतदाता तक नरेन्द्र मोदी सरकार एवं योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन सरकार सरकार की योजनाओं एवं पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पहुंचाना चाहिए। होटल ताज में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं हैं, इसलिए वे जनता का ध्यान भटकाने के लिए लगातार नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। हमें इस पर ध्यान न देते हुए डबल इंजन सरकार की विकास योजनाओं को जनता तक पहुंचाना है और उनके जीवन में खुशहाली लानी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि मैं

आप सब से आग्रह करता हूं कि हम सबको अपने-अपने क्षेत्र, अपने जिला और अपने कार्यक्रम से जुड़ते नजर आना है। हमको कोई सम्मान दे, इसके पहले दो कदम सम्मान देने की इच्छा अगर आप बना लेंगे, तो निश्चित सामने वाला सम्मान देने के लिए मजबूर हो जाएगा। आप अगर अपने अध्यक्ष से यह कह सकते हैं कि 'अध्यक्ष जी, आपकी 16 आदमी की टीम है, 17वां नाम मेरा भी जोड़ लीजिएगा। मुझे जो काम दीजिएगा, मैं अपने गृह जिला में इस प्रकार से कर पाऊंगा।' अगर यह भाव आपके अंदर आ गया, जिलाध्यक्ष सबसे अधिक सम्मान आपको देगा। लेकिन अगर आप सोच लीजिएगा कि 'मैं जिला अध्यक्ष के ऊपर हूं', तो उस दिन से आपके लिए समस्या खड़ी होनी शुरू हो जाएगी। इसलिए मैं इन बातों को बहुत ही स्पष्ट कहता हूं कि आप सबको खुद तय करना है कि आपको क्या चाहिए और अगर आप खुद तय कर सकते हैं, तो निश्चित रूप से राजनीति में आपके भविष्य उज्जवल होंगे।

57 दिनों तक चलने वाली यह वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त (रक्षा बंधन) को समाप्त होगी।

ये मुहब्बत की बारिशें..

बारिश की बूंदों के साथ ही मौसम में छाने लगता है रोमांस। दिल करता है कि वक्त ठहर जाए और ये पल कभी खत्म न हों। रिमझिम मौसम में रोमांस का रंग और गहरा करेंगे ये आइडियाज..

हो जाए लांग ड्राइव

इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास कार हो। बाइक पर लांग ड्राइव का जो मजा है उसकी बात अलग है। सिलीगुड़ी निवासी सुरुचि दास कहती हैं,हमारे पास कार और बाइक दोनों है, पर मुझे तो बारिश में पति के साथ बाइक पर घूमने में ज्यादा मजा आता है। जब बारिश को एंजॉय करना है तो रेनकोट क्यों डालना। बारिश की बूंदें जब तन को छूती हैं तो एक अलग ही तरंग दौड़ जाती है। बाइक में इस तरह घूमते हुए हम उन पलों को याद करते हैं जब हम कॉलेज में थे। किसी खूबसूरत सी जगह पर कुछ देर रुकते हैं और गर्मागम चाय पीते हैं या फिर भुट्टा खाते हैं। हां, बारिश में सड़कें फिसलन भरी होती हैं, इसलिए पति बेहद सावधानी से गाड़ी चलाते हैं।

वहीं कोलकाता की रेशम शर्मा की राय कुछ अलग है। वह कहती हैं, चूंकि बारिश में भीगने से मुझे सर्दी हो जाती है, इसलिए हम लांग ड्राइव पर तो जाते हैं, पर अपनी कार में। क्या हुआ कि बारिश में भीग नहींसकते, पर कार के भीतर बैठकर प्यार की गर्माहट को तो महसूस कर सकते हैं।

बालकनी में कैंडिल डिनर

रोमांस बढ़ाता है कैंडिल लाइट डिनर। मुंबई में घर पर ही बुटीक चलाने वाली अनविता वर्मा कहती हैं, मेरे पति को बारिश का मौसम बेहद पसंद है। चूंकि उनका काफी बिजी शेड्यूल रहता है तो लांग ड्राइव पर जाना हमारे लिए संभव नहीं हो पाता। इसलिए मैंने सोचा क्यों न घर पर ही उनके लिए कुछ खास करूं, जिससे हम दोनों बारिश को एंजॉय कर सकें। मैंने बालकनी में कैंडिल लाइट डिनर ऑर्गेनाइज किया। इसमें उनकी पसंद के व्यंजन से लेकर गाने और फूल तक हर चीज उनकी पसंद की थी। मैंने खुद भी वह ड्रेस पहनी था, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद थी। यह सरप्राइज पाकर उनकी सारी थकान दूर हो गई। देर रात तक हम जीवन के खूबसूरत पलों को याद करते रहे।

साथी के संग सैर

बारिश में सैर का भी अपना अलग आनंद है। जब बारिश हो रही हो तो अपने पार्टनर के साथ शाम की सैर के लिए निकल सकती हैं। इस दौरान कुछ कहने-सुनने की जरूरत नहीं, क्योंकि बिना कुछ कहे ही आपकी आंखें बयां कर देंगी दिल की सारी बात। नई दिल्ली में रहने वाली सुपर्णा कहती हैं, मेरी लव मैरिज हुई है। हम एक ही कॉलेज में थे। वह मुझसे एक साल सीनियर थे। घर जाने के लिए हमें बस कुछ दूर से मिलती थी। कॉलेज में अकसर बारिश के दिनों में हम बारिश रुकने का इंतजार किए बगैर यूं ही कॉलेज से निकल जाते थे घर के लिए। हमारे पास एक ही छतरी हुआ करती थी, या यूं कहें कि जानबूझकर हम एक ही छतरी रखते थे। एक ही छतरी के नीचे एक-दूसरे को भीगने से बचाने की कोशिश में हम बारिश की बूंदों को भी एंजॉय करते थे। कॉलेज लाइफ के खूबसूरत रोमांस के वे पल आज भी हमें तरोताजा कर जाते हैं। इस तरह कॉलेज रोमांस की यादों को हम आज भी जी लेते हैं।

आउटडोर गेम्स

अगर आप दोनों खेलों में रुचि रखते हैं तो बारिश में घर के टैरेस या लॉन में फुटबॉल या बॉस्केटबाल खेलकर डबल मस्ती-मजा कर सकते हैं। जिन्हें खेलों का शौक नहीं, उनके लिए भी टैरेस और लॉन में मस्ती-मजा का है परफेक्ट आइडिया। टैरेस पर पड़े झूले में साथ बैठकर भीगने से भी आप उतना ही रोमांचित महसूस करेंगे। इलाहाबाद में शिक्षिका सद्भावना गुप्ता कहती हैं, %मेरे बच्चों और पति को गार्डन में पानी में खेलना अच्छा लगता है। मैं भी उनकी इस मस्ती में शामिल हो जाती हूं। हां, इसकी इजाजत देने से पहले मैं, एक शर्त रखती हूं कि सबको हल्दी वाला दूध पीना होगा। मैं नहींचाहती कि बारिश में भीगने के बाद कोई बीमार पड़े। बारिश में मस्ती का एक्साइटमेंट इतना ज्यादा होता है कि सभी मेरी बात खुशी-खुशी मान जाते हैं।

नमक इश्क का

गर्मी के मौसम में खाने-पीने पर काफी कंट्रोल किया, पर अब तो मौसम ने भी दे दी है इसकी इजाजत। यह मौसम ही ऐसा है, जब दिल करता है कुछ तीखा, चटपटा और मसालेदार खाने का। रांची निवासी होममेकर गरिमा ठाकुर कहती हैं, बारिश का असली मजा तो पकौड़ियों के संग आता है। चूंकि इस मौसम में भुट्टा बहुत आता है तो मैं छुट्टी के दिन मैं प्याज, पनीर, बैंगन इत्यादि की पकौड़ियों के अलावा भुट्टे की चाट और पकौड़ियां भी बनाती हूं। भुट्टा सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह स्वाद के साथ सेहत भी बनी रहती है। बारिश के दौरान बालकनी में बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ हम चटपटी चीजों का मजा लेते हैं।

रोमांस का रेनी डे

अगर आपको लगता है कि बारिश में बाहर निकलना मुनासिब नहीं होगा तो घर पर ही ले सकती हैं इसका मजा। चंडीगढ़ निवासी कृष्णा अरोड़ा कहती हैं, मैं और पति दोनों ही प्राइवेट नौकरी करते हैं। हफ्ते के छह दिन तो ऑफिस की उलझनों में बीत जाते हैं, पर संडे को हमारा सारा समय एक-दूसरे के लिए होता है। हम दोनों को पुरानी रोमांटिक फिल्में पसंद हैं तो मैंने सोचा है कि क्यों न कोई अच्छी सी डीवीडी लाकर घर में ही सेलीब्रेट किया जाए मानसून को। पति को चाइनीज पसंद है तो उनके लिए किसी अच्छे रेस्त्रां से कुछ ऑर्डर करूंगी। बारिश में साथी के साथ पॉपकॉर्न खाते हुए पुरानी रोमांटिक फिल्म देखने का लुत्फ ही कुछ और है।

बरसात का मौसम मुझे बहुत पसंद है। मैं इसका मजा अपने पति अनिल और बच्चों के साथ लेती हूं। तेज बारिश में हम सब इकट्ठे घर में क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। शादी के शुरुआती दिनों में मैं अनिल के साथ लॉन्ग ड्राइव पर निकल जाया करती थी। बच्चों के आने के बाद से सब साथ में बारिश का मजा लेते हुए लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं। मेरे ख्याल से नवविवाहितों के लिए सबसे अच्छा मौसम बरसात का होता है। दिन में चिलचिलाती धूप नहीं होती। आसमान बादलों से घिरा रहता है। बड़ा अच्छा अहसास देता है। अपने हमसफर के साथ आप अच्छी तरह समय बिता सकते हैं।

रवीना टंडन, अभिनेत्री

बारिश के मौसम में मैं देबीना के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाना पसंद करता हूं। हम कार में अपनी पसंद का कोई पुराना गाना प्ले कर देते हैं और बारिश की बूंदों को महसूस करते हैं। जब हम दोनों घर पर होते हैं तो टमाटर का गर्मागर्म सूप बनाकर टीवी के सामने बैठ जाते हैं। मैं अक्सर लोगों से सुनता हूं कि बारिश उन्हें पसंद नहीं है, लेकिन मुझे तो यह बहुत ही सूदिंग और सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। देबीना को भी बारिश बहुत पसंद है।

गुरमीत चौधरी, टीवी आर्टिस्ट

मुंबई में रहते हुए बारिश में बाहर निकलना मुझे पसंद नहीं है। मैं बारिश के दिनों में अक्सर घर पर रहता हूं और घर की बॉलकनी में बैठकर बारिश को देखना पसंद है। खिड़की के पास बैठकर चाय की चुस्की लेते हुए या अपनी फैमिली के साथ वक्त बिताकर मैं बारिश को एंजॉय करना पसंद करता हूं। मोहरा फिल्म का मेरा पसंदीदा गाना है। इस गाने को जितनी बार याद करता हूं उतनी बार मेरा बारिश में भीगने का मन करता है।

अक्षय कुमार, अभिनेता

टीवी कलाकारों के लिए समय निकालना तो बड़ा मुश्किल होता है, लेकिन बरसात के मौसम में मैं किसी की नहीं सुनता। अपने प्रोड्यूसरों को किसी तरह मनाकर एक-दो दिन की छुट्टी लेता हूं और निकल पड़ता हूं पत्नी जया और बच्चों के साथ बरसात का मजा लेने। आमतौर पर मैं लोनावला जाता हूं। वहां सब चाट-पकौड़े जमकर खाते हैं। शादी के 25 साल हो चुके हैं। इसलिए, अब जया के साथ शरारतें नहीं करता। बच्चे भी साथ होते हैं। इसलिए हम-दोनों को साथ समय बिताने का वक्त कम मिल पाता है।

फंडा हैप्पी लाइफ का

वर्तमान दौर में इंसान के लिए उसका समय ही सबसे बेशकीमती है। पर हालिया हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि अपना समय दूसरों के साथ व्यतीत करने से व्यक्ति के खुश रहने की संभावना बढ़ जाती है।

अमेरिका स्थित वार्टन स्कूल ऑफ पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि अपना समय देकर दूसरों से उससे ज्यादा समय मिलना व्यक्ति को एक सुखद एहसास कराता है। शोध प्रमुख कैसी मोगिल्नर ने बताया कि यह आवश्यक नहीं कि आप अपने समय का एक बहुत बड़ा हिस्सा दूसरों के लिए खर्च करें। वैसे यह कोई पहला मौका नहीं जब वैज्ञानिकों ने दूसरों के साथ समय बिताने को लाभप्रद बताया है। इससे पूर्व पिछले साल हुए एक शोध में भी कहा गया था कि दूसरों के साथ समय बिताने से मनुष्य की उम्र बढ़ जाती है। इस अध्ययन को साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित किया गया है। 218 कॉलेज छात्र-छात्राओं पर किए गए एक प्रयोग के तहत यह बात कही गई है। प्रयोग के दौरान इन छात्रों को दो समूहों में बांटा गया। जिनमें से एक समूह को 25 मिनट के लिए किसी के साथ समय बिताने या बेकार के कामों में अपना समय व्यतीत करने को कहा गया। किसी को समय देने के दौरान उन्हें एक बीमार बच्चे को ई-मेल लिखना था। बाद में जब इन छात्रों से उनकी भावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि उन्हें लगता है कि उनके पास काफी समय है जिसे वह दूसरों के साथ बिता सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। मोगिल्नर का कहना है कि प्रतिदिन किसी लिए दस से पंद्रह मिनट बिताना भी पर्याप्त है।

जब इंटीरियर को देना हो नया रूप

बात जब घर की साज-सज्जा और सजावट की होती है तो पहली चाह यही रहती है कि घर आए मेहमानों को हर कोना सजा दिखाई ही दे साथ ही यह सजावट दूसरों के घरों से अलग भी हो। यही वजह है पिछले कुछ समय से लोगों ने घर की सज्जा के लिए इंटीरियर डिजाइनर्स और डेकोरेटर्स की मदद लेनी भी शुरू कर दी है। वैसे हर किसी के लिए ऐसा कर पाना संभव नहीं होता, ऐसे में अपनी कल्पना की उड़ान के जरिये भी घर का नया और ताजा रूप रंग दिया जा सकता है।

अगर आप भी अपने घर की सज्जा को खुद ही निखारने की योजना बना रहे हैं तो कुछ बातों का ख्याल रखना तो जरूरी है साथ आप कुछ सवाल स्वयं से भी कर सकते हैं। आइये जानते हैं इन सवालों के बारे में-

प्रोफेशनल की मदद

सबसे पहले यह निर्धारित करें कि घर के इंटीरियर के लिए क्या आप प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेंगे या फिर घर की सजावट का नया रंग-रूप देने के पूरे प्रोजेक्ट को स्वयं ही देखेंगे। इस काम में आंशिक रूप से भी प्रोफेशनल की मदद ली जा सकती है।

स्टाइल कैसा होगा

प्रोफशनल की सहायता के बाद यह सोचें कि आप घर की सज्जा को कौन सा स्टाइल देंगे। आप कमरों को मॉडर्न लुक में सजाएंगे या फिर सज्जा का अंदाज पारंपरिक होगा। रस्टिक, फॉरमल के अलावा सोफिस्टिकेटेड और चार्मिंग फॉर्म को भी इंटीरियर डेकोरेशन की थीम के रूप में देखा जाता है। हर स्टाइल का अलग महत्व है। हां, डेकोरेशन शुरू करने से पहले ही थीम का निर्णय कर लिया जाए तो सज्जा को अंजाम तक पहुंचाने में आसानी रहती है।

बजट क्या होगा

स्टाइल और थीम के निर्णय के बाद आरंभिक चरणों में ही बजट बना लेना भी बेहतर रहेगा। इसी समय आप यह निर्णय भी कर सकते हैं कि क्या सिर्फ घर के कुछ हिस्से मसलन बैठक व बेडरूम की सज्जा की जानी है या फिर पूरे घर की रंगत बदलने की योजना है। इस सब पर आप कितना पैसा खर्च कर सकते हैं उसके बजट के साथ यह भी निश्चित कर लें कि पेंट, फैब्रिक, अपहोल्स्ट्री आदि पर आप कितना पैसा खर्च करना चाहते हैं।

विकल्प अपनाएं

अगर इंटीरियर डेकोरेशन के लिए आप अधिक रकम नहीं खर्च करना चाहते तो यह भी संभव है कि इस काम को चरणबद्ध तरीके से किया जाए। मेहमानों का आगमन क्योंकि सबसे पहले लिविंग रूम में होता है इसलिए पहला बदलाव इसी हिस्से में किया जा सकता है। लिविंग रूम के लिए सजावट के नए सामान लेकर यहां रखे गए आर्टीफेक्ट्स को आप बच्चों के कमरे या फिर अपने बेडरूम में शिफ्ट कर सकते हैं।

इसके अलावा कमरे को नया अंदाज देने के लिए सोफा और कुशन कवर्स के साथ नई पेंटिंग आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

रंगों का संयोजन

हर रंग की अपनी अलग खासियत होती है। अगर आप इंटीरियर डेकोरेशन में बदलाव करा ही रहे हैं तो घर को नया लुक देने के लिहाज से नया पेंट अच्छा विकल्प है। लेकिन दीवारों की नई कलर थीम क्या होगी, इस बारे में भी पहले ही विचार कर लेना बेहतर होगा। दीवारों पर अगर आप कुछ नया प्रयोग करना चाहते हैं तो इसके लिए वॉल पेपर्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

डिव कॉम ने एयरफील्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 04 जुलाई। संभागीय आयुक्त कश्मीर, अंशुल गर्ग ने शनिवार को एयरफील्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर एयर फोर्स स्टेशन (एएफएस) श्रीनगर के आसपास विमानन सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा की।

बैठक में श्रीनगर, बडगाम, पुलवामा और अनंतनाग के उपायुक्त, श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के आयुक्त, एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक, भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक के दौरान एयरफील्ड सुरक्षा और परिचालन तैयारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों की व्यापक समीक्षा की गई। इनमें आपातकालीन संपर्क मार्ग का निर्माण, एयरफील्ड के आसपास ईंट-भट्ठों का नियमन, ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन, उड़ान संचालन में बाधा बनने वाले बिना रोशनी वाले अवरोधों को हटाना तथा हवाई अड्डे के आसपास आवारा कुत्तों की समस्या पर नियंत्रण शामिल था।

अधिकारियों ने बताया कि एयर फोर्स स्टेशन श्रीनगर में विमान दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में खोज एवं बचाव अभियान के लिए तीन निर्धारित आपातकालीन निकास द्वार हैं। हालांकि, उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित एक आपातकालीन द्वार क्रैश फायर टेंडरों की आवाजाही के लिए उपयुक्त नहीं है। इस पर संभागीय आयुक्त ने उपायुक्त बडगाम को सभी संबंधित विभागों की समन्वय बैठक बुलाकर रिंग रोड और हवाई अड्डे के बीच संपर्क मार्ग विकसित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आपातकालीन संपर्क मार्ग की व्यवहार्यता और निर्माण को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया ताकि आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत किया जा सके। बैठक में एयर फोर्स स्टेशन श्रीनगर के आठ किलोमीटर दायरे में संचालित ईंट-भट्ठों के मुद्दे की भी समीक्षा की गई। संभागीय आयुक्त ने कहा कि पहले से लागू मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत सर्दियों में दृश्यता बनाए रखने और सुरक्षित उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए नवंबर से मार्च तक ईंट-भट्ठे बंद रहते हैं। अचन-सौरा डंपिंग साइट पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई, जिसका उद्देश्य पक्षियों की गतिविधियों को कम करना है, क्योंकि वे विमानों के लिए गंभीर खतरा बनते हैं। एसएमसी आयुक्त ने बताया कि परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है और जून 2028 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

डीआईपीआर ने एनएमजेकेए के तहत जीबीएचएसएस गुलाब बाग में नशा विरोधी जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की

श्रीनगर, 04 जुलाई। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान (एनएमजेकेए) के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) की सांस्कृतिक इकाई कश्मीर ने आज सरकारी बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय (जीबीएचएसएस), गुलाब बाग, श्रीनगर में नशा विरोधी जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशे के दुष्प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सही निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक अधिकारी कश्मीर, अब्दुल रकीब भट तथा एईसीओ सैयद शकील शान ने कहा कि नशे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए सामूहिक सामाजिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि अपनी समृद्ध सूफी विरासत के लिए प्रसिद्ध कश्मीर हमेशा शांति, आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों का प्रतीक रहा है तथा यहां नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिवारों और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

विद्यालय की प्राचार्य ओस्सिया जबीन ने डीआईपीआर की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में विद्यालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम का संचालन उप-प्राचार्य मुमताज हुसैन ने किया। उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक जागरूकता के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

संगोष्ठी के अंत में सक्रिय भागीदारी और महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए जम्मू में फाइनेंशियल इन्क्लूजन सैचुरेशन कैंप आयोजित

जम्मू, 4 जुलाई। केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू ने शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को बिश्नाह ग्राम पंचायत के चोरली गांव में फाइनेंशियल इन्क्लूजन सैचुरेशन कैंप (वित्तीय समावेशन संतृप्ति शिविर) आयोजित किया। यह शिविर भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक श्री चंद्रशेखर आज़ाद और केनरा बैंक के महाप्रबंधक श्री चंदर सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

इस शिविर में गांव और उसके आसपास के 100 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया।

इस फाइनेंशियल इन्क्लूजन सैचुरेशन कैंप का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित था-

* प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खाते खोलना।

* प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के लिए नामांकन करना।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिये गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मंडल में ई–नीलामी आमंत्रित किया जाता है:

SN	Catalogue No.	Nature of contract
ई–नीलामी की तिथि : 17.07.2026		
1	EAFZR-PRKG26-9	लुधियाना रेलवे स्टेशन पर कॉम्प्रेहेंसिव पार्किंग के लिए ठेके का आबंटन।
ई–नीलामी की तिथि : 20.07.2026		
2	EAFZR-PRKG26-10	मोगा रेलवे स्टेशन पर कॉम्प्रेहेंसिव पार्किंग के लिए ठेके का आबंटन।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **No. NR-FZR0COML(NFR)/18/2024, Date: 03.07.2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2291/26

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: 433_Sig_JAT_40_26_27 **दिनांक : 03.07.2026**

समापन तिथि / समय: 27.07.2026 15:00

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/जेएटी निविदा सूचना संख्या 433_Sig_JAT_40_26_27 समापन तिथि/समय 27.07.2026 15:00 बजे के विरुद्ध **https://www.ireps.gov.in** पर ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरआईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य		
कार्य का नाम	सीनियर डीएसटीई/जेएटी के अनुभागों के लिए एक वर्ष का अनुभागीय सिग्नल रखरखाव अनुबंध (एसएसएमसी)		
निविदा समापन तिथि समय	27.07.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि समय	03.07.2026 16:55
विज्ञापित मूल्य (रु.)	9993579.13	आईआरईपीएस के अनुसार बोली शुरू करने की तिथि	13.07.2026
बयाना राशि (रु.)	199900.00	पूरा होने की अवधि	12 महीने

2293/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जम्मू मंडल के चेकिंग स्टाफ ने वंदे भारत एक्सप्रेस में छूटा सामान वापस लौटाया

जम्मू,, 04 जुलाई (हि.स.)। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल के चेकिंग स्टाफ की तत्परता और समन्वय से वंदे भारत एक्सप्रेस में छूटे दो यात्रियों का कीमती सामान सुरक्षित रूप से लौटाया गया।

पहला मामला 02 जुलाई 2026 का है जब गाड़ी संख्या 22439 वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री का ट्रॉली बैग पठानकोट कैंट स्टेशन पर छूट गया था । सूचना मिलते ही जम्मू में तैनात चेकिंग स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बैग को बरामद कर संबंधित यात्री तक पहुंचाने की व्यवस्था की।

वहीं दूसरी घटना 04 जुलाई को ट्रेन संख्या 26401 जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस में हुई जहां एक यात्री का हैंड बैग सीट पर छूट गया था। टिकट चेकिंग स्टाफ ने तुरंत जांच कर बैग बरामद किया और आरपीएफ की उपस्थिझित में उसका सत्यापन कर यात्री को सूचना दी। बैग में महत्वपूर्ण दस्तावेज, एटीएम कार्ड, ईयरबड्स और नकदी मौजूद थी। दोनों मामलों में यात्रियों ने रेलवे स्टाफ की त्वरित कार्रवाई और ईमानदारी की सराहना की।

मीरां साहिब में जमीन विवाद में व्यक्ति की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

जम्मू,, 04 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के मीरां साहेब क्षेत्र के गैयां गांव में जमीन के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है।

पुलिस के अनुसार सतिंदर कुमार पर शुक्रवार शाम कथित तौर पर दो सगे भाइयों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सतिंदर कुमार को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने रातभर छापेमारी कर दोनों आरोपियों अजय और विजय पुत्र दर्शन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

महानपुर कॉलेज में नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 04 जुलाई (हि.स.)। 100-दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. संगीता सुदन के मार्गदर्शन में किया गया जबकि समन्वय प्रो. सपना देवी ने किया। इसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्त शपथ ग्रहण समारोह, जागरूकता अभियान, दीवार लेखन, से नो टू ड्रग्स के नारे, पौधारोपण, स्वच्छ भारत-हरित भारत अभियान तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए योग सत्र का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. संगीता सुदन ने विद्यार्थियों को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाई और उन्हें समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। कार्यक्रम में प्रो. रुपाली, प्रो. बिंती सहित स्टाफ सदस्य रमेश, कुलदीप, किशोरी, सनी, अनु और अनुराधा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदातायों से फिरोजपुर मंडल में ई–नीलामी में आमंत्रित किया जाता हैं:

SN	Catalogue No.	Nature of contract
ई-नीलामी की तिथि: 09.07.2026		
1	EAFZR-WVM26-1	ढंडारी कलां, फिरोजपुर कैंट और फगवाड़ा रेलवे स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीनों के प्रावधान और संचालन के लिए ठेके का आवंटन।
Date of Auction: 15.07.2026		
2	EAFZR-CTG26-6	फगवाड़ा रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टाल के लिए ठेके का आबंटन।
3	EAFZR-PnU26-7	क) लुधियाना रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालयों के संचालन और रखरखाव के लिए ठेके का आबंटन। ख) बटाला रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालयों के संचालन और रखरखाव के लिए ठेके का आबंटन।
4	EAFZR-MIS26-15	क) अमृतसर रेलवे स्टेशन पर सिंगल ब्रांड प्रीमियम स्टोर की स्थापना और संचालन के लिए ठेके का आबंटन। ख) लुधियाना रेलवे स्टेशन पर टीटीई रेस्ट हाउस के निकट छोटी फूड वैन की स्थापना और संचालन के लिए ठेके का आबंटन। ग) अमृतसर रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीनों के प्रावधान और संचालन के लिए ठेके का आवंटन।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

सं.: NR-FZR0COML(NFR)/18/2024 दिनांक: 01.07.2026 **2261/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व 5 जुलाई को धूमधाम से मनाया जाएगा, कीर्तन दरबार का होगा आयोजन

कठुआ, 04 जुलाई (हि.स.)। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कठुआ द्वारा शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी गई कि छठी पातशाही श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व 5 जुलाई 2026 को श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुद्वारा सिंह सभा मेन बाजार कठुआ में विशेष धार्मिक समागम का आयोजन किया जाएगा।

कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होने वाले कीर्तन दरबार में दरबार साहिब अमृतसर से पधारे भाई गुरमीत सिंह रागी गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। वहीं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर से जुड़े भाई हरविंदर सिंह परचारक गुरु हरगोबिंद साहिब जी के जीवन इतिहास पर प्रकाश डालेंगे। पत्रकार वार्ता के दौरान कमेटी ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि समागम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने संगत से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पावन अवसर का लाभ उठाएं और गुरु साहिब की शिक्षाओं से प्रेरणा ग्रहण करें। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारा, सेवा और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया।

tifr HBCSE

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च

भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) 2026-27

भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।

यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।

IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे। यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।

अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/

पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी **29 जून 2026** से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइटः **https://ioqm.mtai.org.in/**

पंजीकरण की अंतिम तिथिः 25 जुलाई 2026

CBC 48143/11/0004/2627

मच्छरों पर वार बीमारियों पर प्रहार-डेंगू मलेरिया से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

कठुआ, 04 जुलाई (हि.स.)। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है। विभाग के अनुसार ये वेक्टर जनित रोग मच्छरों के जरिए तेजी से फैलते हैं लेकिन समय रहते सावधानी बरतकर इनसे बचाव संभव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि घर और आसपास पानी जमा न होने देना सबसे अहम कदम है क्योंकि रुका हुआ पानी मच्छरों के पनपने का मुख्य कारण बनता है। इसके अलावा मच्छरदानी और रिपेलेंट का नियमित उपयोग भी संक्रमण के खतरे को कम करता है। यदि किसी व्यक्ति को बुखार, शरीर दर्द या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाने की सलाह दी गई है ताकि समय पर इलाज शुरू किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि जनभागीदारी और जागरूकता ही इन बीमारियों पर नियंत्रण पाने का सबसे प्रभावी तरीका है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर गंभीर बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

गश्त के दौरान माइन ब्लास्ट में भारतीय सेना के नायब सूबेदार घायल

राजौरी, 04 जुलाई (हि.स.)। राजौरी जिले के नौशहरा के झांगड़ सेक्टर में एलओसी के पास गश्त के दौरान माइन ब्लास्ट में भारतीय सेना की 14 असम यूनिट के नायब सूबेदार हितेश्वर गोगोई घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद कमांड अस्पताल उधमपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सेना की टीम झांगड़ के अग्रिम इलाके में नियमित पेट्रोलिंग और क्षेत्र की निगरानी कर रही थी। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हुआ। इसमें नायब सूबेदार हितेश्वर घायल हो गए। विस्फोट के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और सेना ने तत्काल पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। सेना के अधिकारियों ने बताया कि घायल अधिकारी को पहले नजदीकी सैन्य चिकित्सा केंद्र पहुंचाया गया, जहां से कमांड अस्पताल उधमपुर भेजा गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक यह विस्फोट पुराने लैंडमाइन या गश्त मार्ग में मौजूद विस्फोटक सामग्री के कारण हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की जांच कर रही हैं ताकि किसी अन्य संभावित खतरे को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके।उल्लेखनीय है कि नियंत्रण रेखा से सटे राजौरी और नौशहरा सेक्टर में बारिश के मौसम में कई बार पुरानी बारूदी सुरंगें खिसक जाती हैं।

उत्तर रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, जम्मू भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे उल्लिखित एसटीबीए (स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट) कार्य के लिए निर्धारित **एकल पैकेट सीलबंद आवेदन** आमंत्रित करते हैं:

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	स्टेशन की श्रेणी	ईएमडी (रु.)	आवेदन प्रपत्र शुल्क (रु.)	अनुबंद अवधि
1	पालमपुर हिमाचल	PLMX	NSG-4	10,000/-	1,180/-	एक वर्ष
2	गुरदासपुर	GSP	NSG-5	5,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
3	कोपर लाहर	KPLR	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
4	भरोली	BHRL	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
5	सांबा	SMBX	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
6	माधोपुर पंजाब	MDPB	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
7	छीना	CHN	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
8	तलारा	TLRA	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
9	छन्न अरोरियां	CHNR	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
10	बुधी	BDHY	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
11	कांगड़ा	KGRA	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
12	कंदरोरी	KNDI	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
13	ऊंची बस्सी	UCB	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
14	बैजनाथ पपरोला	BJPL	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
15	खुदा कुराला	KZA	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
16	सावलकोट	SWKE	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
17	दुग्गा	DUGA	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
18	सुजानपुर	SJNP	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष
19	नगरोटा सूरियां	NGRS	NSG-6	2,000/-	1,180/-	तीन वर्ष

आवेदन पत्र केवल सीलबंद पैकेट में वाणिज्यिक शाखा, डीआरएम कार्यालय, जम्मू से दिनांक **22.07.2026** को **10:00 से 15:00 बजे** के बीच प्राप्त किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए कृपया रेलवे की वेबसाइट पर जाएँ **nr.indianrailways.gov.in** **2262/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

मीटर की रीडिंग के अनुसार किराया वसूलने के निर्देश

यह काफी दिलचस्प है कि पारंपरिक ऑटो-रिक्शा चालकों ने कभी भी सरकार के उन आदेशों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया, जिनमें मीटर की रीडिंग के अनुसार किराया वसूलने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि अतीत में यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर ऐसे चालकों पर कार्रवाई की जाती रही, जो यात्रियों से अधिक किराया वसूलते थे, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं है कि अधिकांश ऑटो-रिक्शा चालक मीटर के अनुसार किराया लेने के बजाय तयशुदा दर प्रणाली को प्राथमिकता देते रहे, जिससे उन्हें अपनी मर्जी से किराया वसूलने की सुविधा मिलती थी।

अब जब जम्मू क्षेत्र में यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए ई-रिक्शा और ई-ऑटो भी ऑटो-रिक्शाओं के साथ शामिल हो गए हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने इन संचालकों के सामने हार मान ली है। सरकार ने ऑटो चालकों को किराया मीटर का उपयोग करने के लिए बाध्य करने के बजाय जम्मू के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) के माध्यम से निर्देश जारी किया है कि जम्मू जिले में संचालित सभी ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा और ई-ऑटो अपने वाहनों के अंदर राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किराया चार्ट को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करें।

इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि किराया चार्ट यात्रियों को स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले स्थान पर लगाया जाए तथा उसे हर समय पढ़ने योग्य स्थिति में रखा जाए। संचालकों को चेतावनी दी गई है कि वे चार्ट में निर्धारित दरों से अधिक किराया न वसूलें।

आदेश के अनुसार यदि प्रदर्शित किराया चार्ट क्षतिग्रस्त हो जाए, खराब हो जाए या पढ़ने योग्य न रहे, तो उसे तुरंत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त नई प्रति से बदलना अनिवार्य होगा।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि किराया चार्ट आमतौर पर उन सार्वजनिक परिवहन वाहनों के लिए उपयोगी होते हैं जो निर्धारित मार्गों पर संचालित होते हैं, जबकि ऑटो-रिक्शा यात्रियों को जिले के किसी भी कोने तक पहुंचाते हैं। ऐसी स्थिति में विशेष मार्गों के लिए तैयार किए गए किराया चार्ट व्यवहारिक रूप से कैसे लागू हो पाएंगे?

इसलिए यह अधिक उचित होगा कि किराया मीटर के उपयोग को अनिवार्य बनाया जाए और इस संबंध में जारी आदेश को पूरी गंभीरता और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि यात्रियों और चालकों दोनों के लिए किराया व्यवस्था न्यायसंगत और पारदर्शी बन सके।

यदि ऑटो चालकों को किराया चार्ट के आधार पर ही किराया वसूलना है, तो फिर किराया मीटरों को अनिवार्य बनाने का उद्देश्य क्या रह जाता है?

इस बात की भी आवश्यकता है कि सरकार उन राज्यों का अध्ययन करे जहां ऑटो-रिक्शा संचालन व्यवस्था को सफलतापूर्वक व्यवस्थित किया गया है और जहां लोग किराया निर्धारण की प्रक्रिया से संतुष्ट हैं। उन सफल मॉडलों को जम्मू जिले में लागू किया जा सकता है और बाद में पूरे केंद्र शासित प्रदेश में विस्तारित किया जा सकता है।

कुल मिलाकर केवल निर्धारित किराए की सूची चिपका देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। ऑटो-रिक्शा चालकों द्वारा अधिक किराया वसूलने और अन्य अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। तभी यात्रियों को वास्तव में राहत मिल सकेगी और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में पारदर्शिता तथा विश्वास कायम हो सकेगा।

ई-जागृति- डिजिटल भारत में उपभोक्ता न्याय के लिए नई परिकल्पना

श्री प्रल्हाद जोशी

न्याय में देरी, लंबे समय से भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी निराशाओं में से एक रही है। चाहे वह खराब उत्पाद हो, ऑनलाइन खरीदी गई वस्तु का न मिल पाना हो, या अनुचित सेवा अनुबंध हो, शिकायत दर्ज करने से लेकर राहत पाने तक की प्रक्रिया अक्सर धीमी, बोझिल और डराने वाली रही है। हालांकि, भारत की उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था समय के साथ लगातार विकसित हुई है, लेकिन इसे समर्थन देने वाली प्रणाली तेज़ी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के साथ कदम मिलाते हुए आगे नहीं बढ़ पायी।

आज, उपभोक्ता ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ऑनलाइन बाज़ार में बड़े पैमाने पर लेन-देन करते हैं। उपभोक्ता न्याय की पारंपरिक व्यवस्था—जो भौतिक रूप से दाखिल करने, व्यक्ति द्वारा एक-एक कर जांच करने, अलग-अलग सॉफ़्टवेयर प्लेटफार्म का उपुओग करने और आमने-सामने की सुनवाई के इर्द-गिर्द बनायी गयी थी—धीरे-धीरे अपर्याप्त सिद्ध होने लगी। डिजिटल युग में उपभोक्ता अधिकार सुनिश्चित करने के लिए केवल कानूनी सुधार ही पर्याप्त नहीं थे; इसके लिए न्याय देने के तरीके में पूरी तरह से बदलाव करने की जरूरत थी।

यहीं पर ई-जागृति एक महत्वपूर्ण बदलाव लाती है। यह सिर्फ़ एक तकनीक प्लेटफ़ॉर्म नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के केंद्र में पहुंच, पारदर्शिता और दक्षता को रखकर उपभोक्ता विवाद समाधान के तरीके की नए सिरे से परिकल्पना करने का प्रयास है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 में एक आधुनिक फ्रेमवर्क की परिकल्पना की गयी थी, जो बाज़ार की उभरती वास्तविकताओं के अनुरूप काम करने में सक्षम हो। हालाँकि, कानून की भावना को प्रभावी सार्वजनिक सेवा में बदलने के लिए कई अलग-अलग पुरानी प्रणालियों को हटाकर एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम को अपनाने की जरूरत थी। पुराने प्लेटफॉर्म में एकरूपता की कमी, पुरानी संरचना, एक-दूसरे से जुड़कर काम करने की सीमित सुविधा और भौतिक प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भरता जैसी समस्याएँ थीं। कई उपभोक्ताओं के लिए—विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन और अनिवासी भारतीय —न्याय पाने की प्रक्रिया की लागत अक्सर एक बड़ी बाधा बन जाती थी।

ई- जागृति उपभोक्ता शिकायत की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर इन संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करती है। ओटीपी आधारित पंजीकरण और ऑनलाइन दाखिल करने से लेकर डिजिटल जाँच, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, वर्चुअल सुनवाई, बहुभाषी आदेश और वास्तविक समय में मामले की निगरानी तक, यह प्लेटफ़ॉर्म नागरिकों को किसी भौगोलिक या प्रक्रियात्मक जटिलता की बाधा के बिना न्याय पाने में मदद करता है।

ई- जागृति उपभोक्ता शिकायत की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर इन संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करती है। ओटीपी आधारित पंजीकरण और ऑनलाइन दाखिल करने से लेकर डिजिटल जाँच, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, वर्चुअल सुनवाई, बहुभाषी आदेश और वास्तविक समय में मामले की निगरानी तक, यह प्लेटफ़ॉर्म नागरिकों को किसी भौगोलिक या प्रक्रियात्मक जटिलता की बाधा के बिना न्याय पाने में मदद करता है।

ऐसे बदलाव का महत्व केवल सुविधा तक ही सीमित नहीं है। यह नागरिकों और सार्वजनिक संस्थानों के बीच रिश्ते को मौलिक रूप से बदल देता है। डिजिटल वर्कफ़्लो कागजी काम को कम करते हैं, अलग-अलग अधिकार-क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को एक जैसा बनाते हैं, विवेकाधीन देरी को कम करते हैं और पारदर्शिता बढ़ाते हैं। मामलों की स्वचालित सूची, ऑनलाइन डैशबोर्ड और तुरंत सूचना सुनिश्चित करती है कि कानूनी प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता को हर जानकारी मिलती रहे, जिससे प्रणाली में जनता का भरोसा मजबूत होता है।

इस प्लेटफ़ॉर्म ने न्याय को और अधिक समावेशी बनाने के लिए उभरती तकनीकों को भी अपनाया है। एआई-सहायता प्राप्त मामला विश्लेषण, वॉइस-टू-टेक्स्ट कार्यप्रणाली, टेक्स्ट-टू-स्पीच सुविधा, बहुभाषी इंटरफेस, उन्नत सर्च क्षमता और पहुँच प्राप्त करने के उपकरण जैसी विशेषताओं के जरिए समाज के विभिन्न हिस्सों से अधिक लोगों की भागीदारी संभव हुई है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोगों में हाइब्रिड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का देश भर में लागू होना भी उतना ही अहम रहा है, जिससे वर्चुअल सुनवाई उपभोक्ता न्याय दिलाने की प्रक्रिया का एक ज़रूरी हिस्सा बन गई है। दूरदराज के जिलों या विदेशों में रहने वाले नागरिकों के लिए, इससे कानूनी लड़ाई की वित्तीय और लॉजिस्टिक लागत दोनों काफी हद तक कम हो गई हैं।

फिर भी, इस स्तर के तकनीकी बदलाव में चुनौतियाँ हमेशा मौजूद रहती हैं। डिजिटल सुधार अक्सर संस्थानों को स्थापित प्रथाओं पर फिर से सोचने के लिए मजबूर करते हैं और उपयोगकर्ताओं को अपरिचित प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ई-जागृति की शुरुआत के दौरान, डेटा स्थानान्तरण, भुगतान गेटवे एकीकरण, इंटरफेस की उपयोगिता और लंबे समय से चल रहे मैनुअल प्रक्रियाओं में बदलाव को लेकर चिंताएँ उभरीं। कानूनी पेशेवरों और अन्य हितधारकों के कुछ हिस्सों ने नई डिजिटल व्यवस्था को अपनाते समय कुछ चिंताएं जाहिर कीं।

इन चिंताओं को बाधा मानने की बजाय, कार्यान्वयन प्रक्रिया ने उन्हें निरंतर सुधार के मौकों के तौर पर देखा। उपभोक्ता आयोगों, कानूनी पेशेवरों, तकनीकी विशेषज्ञों और राय सरकारों के साथ व्यापक परामर्श से इस प्लेटफ़ॉर्म को बेहतर बनाने में मदद मिली। नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, क्षेत्रीय कार्यशालाएं, वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र, साप्ताहिक शिकायत निवारण संवाद और लगातार तकनीकी समर्थन से हितधारकों का नई प्रणाली में धीरे-धीरे भरोसा बढ़ा। इस अनुभव से एक महत्वपूर्ण सबक मिला- डिजिटल परिवर्तन केवल इसलिए सफल नहीं होता कि तकनीक लागू की गई है, बल्कि इसलिए सफल होता है, क्योंकि संस्थाएं उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया के प्रति संवेदनशील रहती हैं और निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं।

शुरुआती परिणाम उत्साहवर्धक हैं। थोड़े ही समय में, ई-जागृति ने लाखों उपभोक्ताओं को एक साझा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर ला दिया है, दो लाख से अधिक मामलों के दाखिले की सुविधा दी है, उच समाधान दर हासिल की है और साठ से अधिक देशों के उपभोक्ताओं को भारत के उपभोक्ता विवाद निवारण व्यवस्था तक पहुंचने में सक्षम बनाया है। मानकीकृत डिजिटल वर्कफ़्लो ने दक्षता में सुधार किया है और उन प्रक्रियात्मक अड़चनों को कम किया है, जो पहले की प्रणाली की विशेषता थी।

राष्ट्रीय ई-शासन पुरस्कार 2026 में रजत पुरस्कार के माध्यम से मान्यता, न केवल एक संस्थागत उपलब्धि के रूप में, बल्कि सरकारी प्रक्रिया की सफल पुनः डिज़ाइन की स्वीकृति के रूप में महत्वपूर्ण है। यह पुरस्कार इस बात को मान्यता देता है कि सार्थक डिजिटल शासन केवल मौजूदा प्रक्रियाओं को कंप्यूटरीकृत करने के बारे में नहीं है; यह उन्हें सरल, तेज़ और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए फिर से डिज़ाइन करने के बारे में है।

भारत की व्यापक डिजिटल इंडिया यात्रा ने दिखाया है कि जब मजबूत संस्थागत प्रतिबद्धता हो, तो तकनीक सार्वजनिक सेवा अदायगी को बदल सकती है। डिजिटल पहचान और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से लेकर ऑनलाइन कराधान और स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफार्मों तक, देश ने शासन में तकनीक की भूमिका का लगातार विस्तार किया है। अब उपभोक्ता न्याय भी उन क्षेत्रों की सूची में शामिल हो गया है, जिसमें संरचनात्मक डिजिटल सुधार हो रहे हैं।

ई-जागृति की सफलता भविष्य के शासन सुधारों के लिए भी महत्वपूर्ण सबक देती है। डिजिटल प्लेटफार्मों को संस्थाओं के बजाय नागरिकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाना चाहिए। पहुंच को बाद में सोची जाने वाली बात के बजाय एक मूल सिद्धांत के रूप में लिया जाना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को निष्पक्षता से समझौता किए बिना पारदर्शिता और कुशलता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सबसे बढ़कर, तकनीक को न्याय को सरल बनाना चाहिए, न कि उसमें जटिलता की नई परतें जोड़नी चाहिए।

जैसे-जैसे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था बढ़ती जा रही है, उपभोक्ता का विश्वास उन संस्थाओं की विश्वसनीयता पर अधिक निर्भर करेगा, जो उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करती हैं। प्रभावी विवाद समाधान अब केवल एक प्रशासनिक उद्देश्य नहीं रहा; यह एक आर्थिक आवश्यकता बन गया है, जो बाजारों में भरोसे को मजबूत करता है और जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देता है। ई-जागृति प्लेटफार्म दिखाता है कि सोच-समझकर किया गया डिजिटल बदलाव कानूनी इरादे और नागरिक अनुभव के अंतर को कम कर सकता है। उपभोक्ता न्याय को तेज़, अधिक पारदर्शी और अधिक समावेशी बनाकर, यह एक सरल लेकिन शक्तिशाली सिद्धांत को मजबूत करता है— कि डिजिटल लोकतंत्र में, न्याय तक पहुंच भी सेवा तक पहुंच जितनी ही सहज होनी चाहिए। यही शायद इक्कीसवीं सदी में ग्राहक देवो भव का सबसे सार्थक रूप है।

(लेखक केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री हैं)

पर्यावरण नहीं, अस्तित्व का प्रश्न है वनों का संरक्षण

- योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है।

भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं।भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं, वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है।

हालांकि इन उपलब्धियों के साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, सूक्ष्म जीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं। इनका स्थान कृत्रिम पौधारोपण कभी नहीं ले सकता। विशेष चिंता का विषय पूर्वोत्तर भारत है, जहां सड़क निर्माण, जलविद्युत परियोजनाओं, झूम खेती, भूस्खलन तथा अन्य विकास गतिविधियों के कारण कई क्षेत्रों में वन क्षेत्र में कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर विकास परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के बाद प्रतिपूरक वृक्षारोपण तो किया जाता है लेकिन पौधों की देखभाल, सिंचाई और संरक्षण की अनदेखी के कारण उनमें से अधिकांश जीवित नहीं रह पाते। केवल पौधे लगा देना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना ही वास्तविक सफलता है।

आज वन मानव स्वास्थ्य के सबसे बड़े संरक्षक बन चुके हैं। वायु प्रदूषण, जल संकट और भूमि के मरुस्थलीकरण जैसी समस्याओं का सबसे प्रभावी और किफायती समाधान वृक्ष ही हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा करते हैं, ऑक्सीजन उपलब्ध कराते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं, भूजल स्तर बनाए रखते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। साथ ही, अनियमित मानसून, भीषण हीटवेव, सूखा, क्लाउडबर्स्ट और जंगलों में आग जैसी घटनाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इस संकट से निपटने के लिए भारत ने वर्ष 2030 तक अतिरिक्त 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर कार्बन सिंक विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें वनों की भूमिका निर्णायक होगी।

बहरहाल, वन महोत्सव का वास्तविक संदेश केवल सप्ताह भर लाखों पौधे लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी सफलता इस बात में निहित है कि स्थानीय जलवायु के अनुरूप नीम, पीपल, बरगद, बेल, जामुन, अर्जुन और अन्य देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए तथा प्रत्येक पौधे की कम-से-कम तीन वर्षों तक नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। जब तक पौधारोपण को जनभागीदारी और जन जिम्मेदारी का अभियान नहीं बनाया जाएगा, तब तक हरित भारत का सपना अधूरा रहेगा।

विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक और अवसंरचनात्मक विकास आवश्यक हैं किंतु वे स्वच्छ वायु, शुद्ध जल और संतुलित जलवायु का विकल्प नहीं बन सकते। यदि वन सुरक्षित रहेंगे तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल समृद्ध होगा, जैव विविधता संरक्षित रहेगी और मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए वन महोत्सव केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व और राष्ट्रीय आंदोलन बनना चाहिए। आज आवश्यकता केवल वृक्ष लगाने की नहीं बल्कि उन्हें बचाने की भी है क्योंकि आने वाली पीढ़ियां हमसे विकास की ऊंची इमारतें नहीं बल्कि सांस लेने योग्य स्वच्छ पृथ्वी की विरासत चाहेंगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लोककला से लोकसमृद्धि तक- बिहार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई कहानी

-डॉ. मीना कुमारी

बिहार की पहचान केवल नालंदा, वैशाली और बोधगया तक सीमित नहीं है। यह राज्य अपनी जीवंत लोक कलाओं, लोकगीतों और पारंपरिक शिल्प के कारण भी विश्व पटल पर विशिष्ट स्थान रखता है। मधुबनी चित्रकला, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प, सुजनी कढ़ाई, बिदेसिया और जट-जटिन जैसी विधाएं बिहार की सांस्कृतिक आत्मा हैं। किंतु लंबे समय तक इन कलाओं के सृजक कलाकार सम्मान से अधिक संघर्ष का जीवन जीते रहे। उनके सामने बाजार का अभाव, पूंजी की कमी, तकनीकी पिछड़ापन और संस्थागत समर्थन का संकट था।

पिछले कुछ वर्षों में यह परिदृश्य बदलने लगा है। केंद्र की विरासत से विकास की नीति और बिहार सरकार के सांस्कृतिक संरक्षण एवं कौशल संवर्धन के प्रयासों ने लोक कलाकारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय आधार तैयार किया है। आज पहली बार लोककला को केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं बल्कि क्रिएटिव इकोनॉमी यानी रचनात्मक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने क्रिएटिव इकोनॉमी के लिए अलग नीति आधारित पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक उद्योगों को रोजगार, नवाचार और वैश्विक बाजार से जोड़ना है।

इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना है। परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों को पहचान, कौशल उन्नयन, आधुनिक औजार, आसान ऋण, डिजिटल भुगतान और विपणन सहायता देने वाली यह योजना पहली बार शिल्पकार को केवल लाभार्थी नहीं बल्कि उद्यमी के रूप में स्थापित करती है। बिहार में इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार राज्य में 1.62 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगर पंजीकृत हुए, 1.05 लाख से अधिक को प्रशिक्षण मिला, लगभग 19 हजार लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये से अधिक का रियायती ऋण मिला तथा हजारों आधुनिक टूल किट वितरित किए गए। लाभार्थियों में बड़ी संख्या अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और महिलाओं की है।

यह परिवर्तन केवल एक योजना का परिणाम नहीं है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) जैसी पहल ने जिलों की विशिष्ट कला और उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने का नया अवसर दिया है। बिहार के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पाद अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ने की रणनीति विकसित की जा रही है।

बिहार सरकार ने भी इस दिशा में समानांतर प्रयास किए हैं। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा आयोजित बिहार दिवस, राज्य स्तरीय लोक महोत्सव, जिला स्तरीय सांस्कृतिक आयोजन, कलाकार सम्मान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने लोक कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया है। पटना का बिहार संग्रहालय तथा विभिन्न सांस्कृतिक संस्थान राज्य की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी और पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार संरक्षण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर संस्कृति को विकास के संसाधन के रूप में देख रही है।

मधुबनी चित्रकला इसका सबसे प्रेरक उदाहरण है। जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिलने के बाद इस कला की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। मिथिलांचल की हजारों महिला कलाकार आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच रही हैं। यह केवल कला का विस्तार नहीं बल्कि महिला उद्यमिता और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का भी सशक्त मॉडल है।

आज विश्व स्तर पर भी यही दृष्टिकोण विकसित हो रहा है। रचनात्मक उद्योगों को रोजगार, समावेशी विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। भारत ने भी जी-20 के बाद संस्कृति को विकास की केंद्रीय धुरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल की है।

निःस्संदेह, चुनौतियाँ अभी भी हैं। सभी कलाकारों का डिजिटल डेटाबेस तैयार होना बाकी है। विपणन क्षमता को और मजबूत करना होगा। डिज़ाइन नवाचार, निर्यात, ई-कॉमर्स, पर्यटन और बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में अभी व्यापक संभावनाएँ हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि आज नीति की दिशा पहले की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और दूरदर्शी दिखाई देती है।

आगे की रणनीति भी स्पष्ट होनी चाहिए- लोक कलाकारों का राज्यव्यापी डिजिटल रजिस्टर, सांस्कृतिक पर्यटन सर्किट, विश्वविद्यालयों में लोककला अध्ययन, ई-कॉमर्स आधारित विपणन, निर्यात प्रोत्साहन और युवाओं के लिए कौशल कार्यक्रम। यदि इन पहलों को वर्तमान योजनाओं के साथ जोड़ा जाए तो बिहार की लोक कलाएं लाखों परिवारों की आय का स्थायी आधार बन सकती हैं।

बिहार के विकास की कहानी केवल आर्थिक सूचकांकों से नहीं लिखी जाएगी। वह उस दिन पूर्ण होगी, जब मधुबनी की चित्ररेखाएँ, मंजूषा की कथाएँ, सिक्की की बुनावट और लोक गायकों की स्वर परंपरा राज्य के ग्रामीण परिवारों की समृद्धि का माध्यम बनेंगी। केंद्र और राज्य सरकार ने इस दिशा में मजबूत नींव रखी है। अब आवश्यकता है कि नीति, समाज और बाजार मिलकर इस सांस्कृतिक पूंजी को आर्थिक शक्ति में बदले। बिहार की लोक कलाओं का भविष्य आज पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई देता है। यदि यही गति और यही प्रतिबद्धता बनी रही तो आने वाले वर्षों में बिहार केवल अपनी विरासत को संरक्षित करने वाला राज्य नहीं रहेगा बल्कि लोककला आधारित समावेशी विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कनाडा ओपन 2026: दूसरे दौर में हारीं आकर्षि कश्यप और तान्या हेमंथ, भारत की चुनौती समाप्त

एजेंसी

ओंटारियो। कनाडा ओपन 2026 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। महिला एकल के दूसरे दौर में आकर्षि कश्यप और तान्या हेमंथ की हार के साथ भारतीय चुनौती खत्म हो गई। विश्व रैंकिंग में 71वें स्थान पर काबिज आकर्षि कश्यप ने अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग को कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 20-22, 21-17, 21-17 से हार का सामना करना पड़ा। आकर्षि ने पहले गेम में शानदार शुरुआत करते हुए बीच में चार अंकों की बढ़त बना ली थी। हालांकि झांग ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और करीबी मुकाबले में पहला गेम अपने नाम कर लिया।दूसरे गेम में अमेरिकी खिलाड़ी ने शुरुआती बढ़त बना ली लेकिन आकर्षि ने दमदार वापसी की। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी 17-17 तक बराबरी पर रहीं लेकिन इसके बाद झांग ने लगातार चार अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही बेइवेन झांग के खिलाफ आकर्षि का हार का रिकॉर्ड 0-3 हो गया। इससे पहले तान्या हेमंथ को जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुनजी ने मात्र 31 मिनट में 21-11, 21-11 से हराकर बाहर कर दिया। लगातार दूसरे सप्ताह गुनजी ने तान्या को टूर्नामेंट से बाहर किया है। इससे पहले यूएस ओपन में भी उन्होंने तान्या को पहले दौर में हराया था।

हैदराबाद की 13 वर्षीय नवजोत ने बनाया 'एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स', 10 सेकंड में जड़े 105 बैकफिस्ट पंच

हैदराबाद। हैदराबाद की 13 वर्षीय मार्शल आर्टिस्ट नवजोत सिंह ठाकुर ने अपनी अद्भुत गति और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने टीनेज फीमेल श्रेणी में महज 10 सेकंड में 105 बैकफिस्ट पंच मारकर 'एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में आधिकारिक स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, सटीक तकनीक और मार्शल आर्ट्स के प्रति समर्पण का प्रमाण मानी जा रही है। नवजोत वर्तमान में भारत के प्रसिद्ध कराटे ग्रैंडमास्टर हंशी शाश्वत कुमार के मार्गदर्शन में सेनकोकाई कराटे का प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने विशेष प्रशिक्षण, नियमित अभ्यास और अनुशासित तैयारी के माध्यम से इस विश्व रिकॉर्ड के लिए खुद को तैयार किया। नवजोत ने बताया कि उनके गुरु हंशी शाश्वत कुमार की उपलब्धियों ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने की प्रेरणा दी। हंशी शाश्वत कुमार स्वयं 10 सेकंड में 150 बैकफिस्ट पंच मारने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। अपने गुरु की उपलब्धि से प्रेरित होकर नवजोत ने लगातार अभ्यास किया और कम उम्र में ही रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। नवजोत की सफलता में उनके माता-पिता की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान हर कदम पर उनका उत्साहवर्धन किया और आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होते ही रियाद महरेज़ ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

वैंकूवर। अल्जीरिया के कप्तान रियाद महरेज़ ने फीफा विश्व कप 2026 से टीम के बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड ने ब्रेल एम्बोलो और डैन एनडोये के गोल की बदौलत अल्जीरिया को 2-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के तुरंत बाद महरेज़ ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को विराम देने का फैसला किया। सऊदी प्रो लीग क्लब अल-अहली के लिए खेलने वाले 35 वर्षीय महरेज़ ने अल्जीरिया के लिए 113 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39 गोल किए। फ्रांस के क्लिशी में जन्मे महरेज़ ने वर्ष 2013 में अपने पारिवारिक मूल के आधार पर अल्जीरिया का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया था। उन्हें 2016 में अफ्रीकी फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना गया था। इसके बाद 2019 में कप्तान के रूप में अल्जीरिया को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस का खिताब भी दिलाया। विश्वकप 2026 में महरेज़ ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ ग्रुप चरण के मुकाबले में दो गोल दागे और अपने एक दशक से अधिक लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का यादगार समापन किया। अल्जीरिया फुटबॉल के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल महरेज़ ने अपने करियर के दौरान टीम के लिए कई यादगार जीत दिलाईं और देश के महान फुटबॉलरों में अपना नाम दर्ज कराया।

मोहन बागान बनाम ईस्ट बंगाल से होगा 135वें डूरंड कप का आगाज, शुभारंभ 25 जुलाई से

कोलकाता। एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के तीसरे सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप का शुभारंभ 25 जुलाई को ऐतिहासिक कोलकाता डर्बी से होगा। उद्घाटन मुकाबले में रिकॉर्ड 17 बार की चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट का सामना 16 बार की विजेता ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब से कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होगा। डूरंड कप आयोजन समिति ने प्रतियोगिता का पूरा कार्यक्रम जारी किया। मूल रूप से इंडियन आर्मी से संबंधित इस टूर्नामेंट में इस वर्ष में 24 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें 6 समूहों में बांटा गया है। प्रतियोगिता का आयोजन 25 जुलाई से 23 अगस्त तक कोलकाता, रांची, इंफाल, शिलांग और गुवाहाटी में किया जाएगा। इसमें देश के प्रमुख क्लबों, तीनों सेनाओं की टीमों, उभरते फुटबॉल क्लबों तथा अंतरराष्ट्रीय टीमों की भागीदारी रहेगी। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि इसकी सीधी प्रसारण सेवा सोनीलिव पर उपलब्ध रहेगी। कोलकाता वर्ष 2019 से डूरंड कप का स्थायी मेजबान रहा है।

फीफा विश्व कप से बाहर होकर भी हीरो बना केप वर्डे, संघर्ष और साहस की लिखी अविस्मरणीय गाथा

एजेंसी

मियामी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार के बावजूद केप वर्डे ने दुनिया को यह संदेश दिया कि जज़्बा और आत्मविश्वास के दम पर छोटे देश भी फुटबॉल की सबसे बड़ी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। महज पांच लाख से कुछ अधिक आबादी वाले अफ्रीका के पश्चिमी तट के छोटे द्वीपीय देश केप वर्डे ने विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय तक कड़ी टक्कर दी। आखिरकार 111वें मिनट में डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने 3-2 से जीत दर्ज की। मैच के बाद केप वर्डे के डिफेंडर पिको लोप्स ने कहा कि उनकी टीम ने दुनिया को दिखा दिया है कि छोटे देशों के लिए भी कुछ असंभव नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम यह दिखाना चाहते थे कि छोटे देश भी बड़े सपने देख सकते हैं। अगर दिल बड़ा हो और विश्वास मजबूत हो, तो कुछ भी संभव है। उम्मीद है कि हमारी टीम ने केप वर्डे के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया होगा। हमने साबित किया है कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ भी मुकाबला किया जा सकता है।

गोलकीपर वोजिन्हा बने विश्व कप के स्टार

40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा विश्व कप के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल रहे। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स की संख्या करीब 50 हजार से बढ़कर 1.9 करोड़ से अधिक हो गई। उन्होंने कहा, विश्व कप में खेलना हमारे पूरे देश का सपना था। हम अगले दौर में पहुंचना चाहते थे, लेकिन हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है। हमने विश्व चैंपियन के खिलाफ पूरी ताकत से मुकाबला किया और सिर ऊंचा रखकर मैदान से लौट रहे हैं।

दो बार की बराबरी, अंत तक लड़ाई

लियोनेल मेसी के शानदार गोल से पिछड़ने के बाद भी केप वर्डे ने हार नहीं मानी। डेरॉय डुआर्टे ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल कर मैच को अतिरिक्त समय तक पहुंचाया। इसके बाद अर्जेंटीना के लिए लिसांद्रो मार्टिनेज ने फिर बढ़त दिलाई, लेकिन सिडनी लोप्स कैब्रल के शानदार गोल ने एक बार फिर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। आखिरकार डिने बोर्गेस का आत्मघाती गोल केप वर्डे के सपनों को तोड़ गया। आयरलैंड के क्लब शैमरॉक रोवर्स से खेलने वाले पिको लोप्स ने कहा कि इस विश्व कप ने केप वर्डे को वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा, जब हमने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था, तब हमारा लक्ष्य दुनिया को यह दिखाना था।

सिरसा की छात्रा का एशियन बाक्सिंग चैंपियनशिप में चयन

एजेंसी

सिरसा। जिले की छात्रा वंशिका का अंडर-19 वर्ग में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026-जकार्ता (इंडोनेशियन) में वंशिकां देश का प्रतिनिधित्व करेगी।

वंशिका का चयन न केवल सिरसा जिले के लिए बल्कि हरियाणा के लिए गौरव की बात है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरोखां के प्रधानाचार्य वेद रोज ने बताया कि प्रतिभाशाली छात्रा वंशिका ने अपनी अथक मेहनत, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के बल पर अंडर-19 वर्ग में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 जकार्ता (इंडोनेशिया) के लिए चयनित होकर देश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया है। यह उपलब्धि वंशिका के वर्षों के निरंतर अभ्यास, कठिन परिश्रम एवं खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। वंशिका ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरोखाँ बॉक्सिंग अकादमी का प्रतिनिधित्व करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। प्रधानाचार्य वेद रोज ने बताया कि वंशिका ने डीपीई डॉ. देव कंबोज तथा बॉक्सिंग कोच मोहित के मार्गदर्शन में यह मुकाम हासिल किया है।

फीफा विश्व कप 2026 : कोलंबिया ने घाना को हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड से होगा सामना

एजेंसी

कैनसस सिटी। जोन एरियास के शुरुआती गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में शनिवार को घाना को 1-0 से हराकर अंतिम-16 (प्री-क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली। इस जीत के साथ कोलंबिया अब 8 जुलाई को वैंकूवर में स्विट्ज़रलैंड का सामना करेगा। मुकाबले का एकमात्र गोल 14वें मिनट में जोन एरियास ने किया। उन्होंने लुइस सुआरेज़ के सटीक क्रॉस पर नजदीक से शानदार फिनिश करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सुआरेज़ मैदान पर घायल जोन कॉर्डोबा की जगह बतौर स्थानापन्न उतरने के कुछ ही क्षण बाद इस गोल की भूमिका निभाने में सफल रहे। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने अपनी बढ़त दोगुनी करने का भी मौका बनाया। 56वें मिनट में लुइस डियाज़ ने गेंद को जाल में पहुंचाया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी

(वीएआर) की समीक्षा के बाद उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया और गोल रद्द कर दिया गया। पूरे मुकाबले में कोलंबिया का दबदबा देखने को मिला। हालांकि घाना के गोलकीपर लॉरेंस अती ज़िगी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कम से कम तीन बेहतरीन बचाव किए और टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया।

कोलंबिया ने अंत तक अपनी बढ़त बरकरार रखी और जीत के साथ विश्व कप के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया, जहां उसका मुकाबला स्विट्ज़रलैंड से होगा।

फीफा विश्व कप 2026: मेक्सिको-इंग्लैंड प्री-क्वार्टर फाइनल तय समय पर

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में रविवार को मेक्सिको और इंग्लैंड के बीच होने वाला मुकाबला तय समय पर ही खेला जाएगा। द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको सिटी में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ भारी बारिश और संभावित बाढ़ की आशंका के चलते मैच का समय पहले करने पर विचार किया गया था, लेकिन अंततः फीफा ने निर्धारित समय पर ही मुकाबला कराने का फैसला किया। फीफा मौसम और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए मैच का समय बदलने पर विचार कर रहा था। हालांकि, बाद में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। फीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस मैच के समय में कोई बदलाव दर्ज नहीं है।मेक्सिको के मुख्य कोच जावियर एग्विरे ने संभावित बदलाव का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मेक्सिको के रेडियो स्टेशन 'रेडियो फॉर्मूला' से बातचीत में

कहा, यह पेट पर लात मारने जैसा है। हमें अपनी पूरी योजना बदलनी पड़ती। छह घंटे की तैयारी बेकार हो जाती। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। फीफा जो फैसला करेगा, हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन न मैं और न ही मेरे खिलाड़ी इससे खुश हैं। यदि समय बदला जाता तो इसका असर इंग्लैंड की तैयारियों पर भी पड़ता। इंग्लैंड की टीम शुक्रवार देर रात मेक्सिको पहुंचेगी और शनिवार को यूनाम पुमास प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी। ऐसे में खिलाड़ियों को मेक्सिको सिटी की ऊंचाई के अनुरूप खुद को ढालने के लिए और भी कम समय मिलता। गौरतलब है कि एज़्टेका स्टेडियम समुद्र तल से करीब 2,200 मीटर (7,300 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। खेल विज्ञान विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी ऊंचाई पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को पर्याप्त समय तक अनुकूलन की आवश्यकता होती है। यह मुकाबला विश्व कप 2026 के दौरान मेक्सिको सिटी में आयोजित होने वाला पांचवां और अंतिम मैच होगा।

पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर फिडे की बड़ी कार्रवाई, लगाया दो साल का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की एथिक्स एंड डिसिप्लिनरी कमीशन (ईडीसी) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए दो वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें से अंतिम एक वर्ष का प्रतिबंध तीन वर्ष की परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि के लिए निलंबित रहेगा। ऐसे में यदि क्रामनिक प्रोबेशन के दौरान किसी नए उल्लंघन के दोषी नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें केवल एक वर्ष का सक्रिय प्रतिबंध झेलना होगा।

यह मामला फिडे प्रबंधन बोर्ड और फिडे फेयर प्ले आयोग द्वारा दायर शिकायतों के बाद शुरू हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि क्रामनिक ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा, दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोडिट्स्की सहित कई खिलाड़ियों पर बिना पर्याप्त आधार के सार्वजनिक रूप से चीटिंग के आरोप लगाए। फिडे की ईडीसी ने सभी पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों की समीक्षा

के बाद क्रामनिक को फिडे एथिक्स कोड और डिसिप्लिनरी कोड के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया। आयोग ने माना कि उनके आचरण ने खिलाड़ियों की गरिमा, सम्मानजनक व्यवहार, साइबर बुलिंग, मानसिक उत्पीड़न, आदर्श खिलाड़ी की जिम्मेदारी तथा फेयर प्ले आयोग की जांच में सहयोग न करने जैसे नियमों का उल्लंघन किया। साथ ही उन पर बिना पर्याप्त प्रमाण के सार्वजनिक आरोप लगाने का भी दोष सिद्ध हुआ। हालांकि, आयोग ने ईमानदारी, जवाबदेही और फिडे की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से जुड़े कुछ अन्य आरोपों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज कर दिया।अपने फैसले में ईडीसी ने कहा कि शतरंज में चीटिंग के खिलाफ कार्रवाई फिडे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन ऐसे आरोप केवल फिडे की गोपनीय जांच प्रक्रिया और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर ही लगाए जाने चाहिए। बिना संस्थागत पुष्टि के किसी खिलाड़ी पर सार्वजनिक रूप से संदेह जताना उसकी प्रतिष्ठा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचा सकता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला क्रामनिक की कथित एंटी-चीटिंग पद्धति की वैज्ञानिक वैधता पर नहीं, बल्कि आरोपों को सार्वजनिक रूप से पेश करने के तरीके और उससे शतरंज समुदाय पर पड़े प्रभाव के आधार पर दिया गया है। प्रतिबंध के अलावा ईडीसी ने क्रामनिक को 12 महीने तक बिना पारिश्रमिक के शतरंज समुदाय के हित में सेवा करने का भी निर्देश दिया है।

फीफा विश्व कप 2026: अर्जेंटीना ने केप वर्डे को 3-2 से हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मियामी। गत चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में केप वर्डे को कड़े मुकाबले में अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया।मुकाबले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने 29वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। लिसांद्रो मार्टिनेज के लंबे पास पर मेसी ने शानदार नियंत्रण दिखाते हुए जोरदार शॉट से गेंद को गोलपोस्ट की छत में पहुंचा दिया। केप वर्डे ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। 59वें मिनट में डेरॉय डुआर्टे ने लिसांद्रो मार्टिनेज को छकाते हुए गोल दागा और विश्व कप नॉकआउट चरण में केप वर्डे का पहला गोल दर्ज किया।

निर्धारित 90 मिनट के बाद स्कोर 1-1 से बराबर रहा और मुकाबला अतिरिक्त समय में पहुंचा। अतिरिक्त समय के पहले हाफ में अर्जेंटीना ने फिर बढ़त बनाई। कॉर्नर से मिले मौके पर लिसांद्रो मार्टिनेज ने रिबाउंड पर शानदार शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया। हालांकि केप वर्डे ने हार नहीं मानी। सिडनी लोपेस काब्राल ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन कर्लिंग शॉट लगाकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मुकाबले का फैसला अतिरिक्त समय के अंतिम चरण में हुआ। मेसी के कॉर्नर पर क्रिस्टियन रोमेरो ने हेडर लगाया, जिसे डाइनी बोर्जेस के डिफ्लेक्शन के बाद गेंद गोल में चली गई और अर्जेंटीना ने 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह पक्की कर ली।

फीफा विश्व कप 2026 : पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर मिस्र पहली बार अंतिम-16 में

एजेंसी

आर्लिंगटन (टेक्सास)। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता और अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

मिस्र की जीत के नायक होसाम अब्देलमगीद रहे, जिन्होंने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मिस्र का सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा।

सलाह की कप्तानी में ऐतिहासिक जीत

मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने मैच के बाद कहा कि यह उनके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से

एक है। उन्होंने कहा कि टीम की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता और इस जीत का आनंद हर मिस्रवासी के साथ साझा करना उनके लिए गर्व की बात है।

मैच का रोमांच

मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बनाई, जब इमाम अशूर ने हेडर के जरिए गोल दागा। ऑस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन यह गोल मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी के आत्मघाती गोल की बदौलत आया। हानी इस विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

इसके बाद दोनों टीमें अतिरिक्त समय में भी विजयी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंच गया।

शूटआउट में मिस्र का दबदबा

ऑस्ट्रेलिया की ओर से हैरी साउटर पहली ही पेनल्टी चूक गए, जबकि 18 वर्षीय लुकास हेरिंगटन की चौथी पेनल्टी क्रॉसबार से टकरा गई। मिस्र की ओर से महमूद साबेर, रामी राबिया, मोहम्मद सलाह और अंत में होसाम अब्देलमगीद ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए केवल जैक्सन इरविन और अवेयर माबिल ही सफल पेनल्टी लगा सके।

ऑस्ट्रेलिया का नॉकआउट में खराब रिकॉर्ड जारी

यह ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप नॉकआउट चरण में लगातार तीसरी हार रही। इससे पहले वह 2006 में इटली और 2022 में अर्जेंटीना से हार चुका था। वहीं, चार विश्व कप खेलने वाले मिस्र ने पहली बार नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया।

जोकोविच ने फेडरर के 105 विंबलडन जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की, चौथे दौर में पहुंचे

एजेंसी

लंदन। सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। तीसरे दौर में उन्होंने फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 39 वर्षीय जोकोविच अब फेडरर के पुरुष एकल में आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में जोकोविच ने शुरुआती दो सेट शानदार अंदाज में अपने नाम किए, लेकिन तीसरे सेट में रिंदरकनेश ने दमदार वापसी करते हुए उन्हें 6-1 से हराकर मैच को रोमांचक बना दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी तेज सर्विस और आक्रामक खेल से चौथे सेट में भी

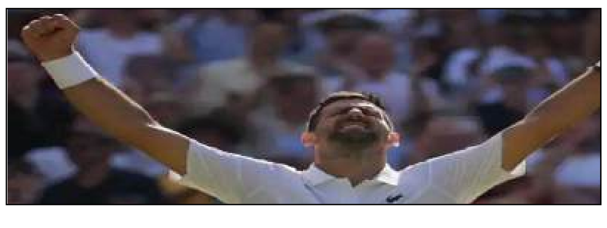

जोकोविच को कड़ी चुनौती दी। हालांकि टाईब्रेक में अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने बेहतरीन संयम दिखाया और बिना कोई गलती किए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में 105वीं जीत दर्ज की और रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब चौथे दौर में उनका सामना रूस के क्वालीफायर रोमन साफियुलिन से होगा। यदि जोकोविच यह मुकाबला जीतते हैं तो वह विंबलडन में सर्वाधिक मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में फेडरर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। इस सूची में शीर्ष पर मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 मैच जीते हैं।

महिला टी-20 विश्व कप 2026 फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला टी-20 विश्व कप 2026 फाइनल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में 5 जुलाई को खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में मेज़बान इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। फाइनल मुकाबले में जैकलीन विलियम्स और वृंदा राठी ऑन-फील्ड अंपायर की भूमिका निभाएंगी। जैकलीन विलियम्स का यह पांचवां महिला टी-20 विश्व कप है। वह इससे पहले टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के सेमीफाइनल तथा ऑस्ट्रेलिया और भारत के अहम ग्रुप मुकाबले में भी अंपायरिंग कर चुकी हैं। यह उनके करियर का दूसरा महिला टी-20 विश्व कप फाइनल होगा। इससे पहले उन्होंने 2023 के फाइनल में भी ऑन-फील्ड अंपायर की जिम्मेदारी निभाई थी। वहीं, वृंदा राठी पहली बार महिला टी-20 विश्व कप के फाइनल में ऑन-फील्ड अंपायर होंगी। उन्होंने इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज़ के सेमीफाइनल के अलावा इंग्लैंड और आयरलैंड के मुकाबले में भी अंपायरिंग की थी। फाइनल में किम कॉटन तीसरे अंपायर, निमाली परेरा चौथे अंपायर और जी.एस. लक्ष्मी मैच रेफरी की जिम्मेदारी निभाएंगी। जी.एस. लक्ष्मी ने इस विश्व कप के उद्घाटन मैच और श्रीलंका-न्यूज़ीलैंड मुकाबले में भी मैच रेफरी की भूमिका निभाई थी।

असम में प्रो पंजा लीग की एंट्री, विश्व चैंपियनशिप के लिए राज्य के 18 खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित

एजेंसी

गुवाहाटी। प्रो पंजा लीग ने असम में अपने विस्तार की औपचारिक घोषणा करते हुए बताया कि राज्य के 18 आर्मरेसलर इस वर्ष नई दिल्ली में आयोजित होने वाली 47वीं विश्व आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप तथा 28वीं पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल किए गए हैं।

गुवाहाटी के होटल पलासियो में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक पर्विन दबास, पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष एवं एशियन आर्मरेसलिंग फेडरेशन की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी तथा पीपुल्स आर्मरेसलिंग एसोसिएशन असम के अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने संयुक्त रूप से इसकी घोषणा की। इस दौरान भारतीय टीम में चयनित असम के खिलाड़ियों से भी परिचय कराया गया। भारतीय टीम में चयनित असम के खिलाड़ियों में देबांगना बरदलै, सुमित माली, उज्जल गोगोई, डिंपल कलिता, पायल भौमिक, अनिशा शर्मा, कुमालिका दास, इस्मृतोम बरुवा, राज हजारिका, ऋतुराज पांडेय, बिट्टू कलिता, परिश्मिता गोगोई, अंजू कुमारी, मनोज

देबनाथ, कृतिका दास, नयन बोरा, दिगंत कुमार फूकन और मृण्मय पाटगिरी शामिल हैं। इनमें परिश्मिता गोगोई, पायल भौमिक और ऋतुराज पांडेय ने प्रो पंजा लीग के लिए गोल्डन टिकट भी हासिल किया है। विश्व आर्मरेसलिंग एवं पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप का आयोजन 26 अक्टूबर से 7 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली के लीला एम्बिएंस कन्वेंशन होटल में होगा। प्रतियोगिता में 75 से अधिक देशों के 2,000 से ज्यादा खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। वर्ष 2025 में नई दिल्ली में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में भारत ने 176 पदकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

प्रीति झंगियानी ने कहा कि भारत में विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी आर्मरेसलिंग के लिए ऐतिहासिक अवसर है और असम के खिलाड़ी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीएएफआई खिलाड़ियों की तैयारी के लिए हरसंभव सहयोग देगा।पर्विन दबास ने कहा कि पूर्वोत्तर, विशेषकर असम, में आर्मरेसलिंग की अपार प्रतिभा मौजूद है। प्रो पंजा लीग खिलाड़ियों को पेशेवर मंच, रैंकिंग, पुरस्कार राशि और राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि असम के तीन खिलाड़ियों का गोल्डन टिकट जीतना राज्य की प्रतिभा का प्रमाण है। कैलाश शर्मा ने कहा कि वर्षों से सीमित संसाधनों में अभ्यास करने वाले असम के खिलाड़ियों को अब अपने ही राज्य में बड़ा मंच मिलेगा। भारतीय टीम में राज्य के 18 खिलाड़ियों का चयन पूरे असम के खेल प्रेमियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि विश्व चैंपियनशिप से पहले चयनित खिलाड़ियों को प्रो पंजा लीग और पीएएफआई के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चिराग पासवान ने खाद्य कंपनियों से गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने पर ध्यान देने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने खाद्य कंपनियों से गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने पर जोर देने को कहा है। पासवान ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने एवं बर्बादी को कम करने में मदद कर सकता है। चिराग पासवान ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडियन हेल्दी स्नैकिंग समिट को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने कंपनियों से वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कारोबार के बहुत बड़े मौके हैं। केंद्रीय मंत्री ने खाद्य कंपनियों से ऐसे गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने पर ध्यान देने को कहा जो दुनियाभर के ग्राहकों की जरूरतें पूरी कर सकें। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले 12 साल में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। इसमें इस क्षेत्र में सौ फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरी देना भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं इंडियन हेल्दी स्नैकिंग समिट 2026 को बधाई देता हूं। मैं मानता हूं कि ये एक ऐसा जागरूकता वाला इवेंट है जिसकी जरूरत आज की तारीख में हमारे देश और समाज को है। कहीं ना कहीं मोटापा एक चिंता का विषय बन रहा है लेकिन देश की एक बड़ी आबादी फिटनेस के साथ अपने आप को जोड़कर देखती है। ऐसे में हमारे पास हेल्दी स्नैकिंग के विकल्प मौजूद हों। इस उद्योग को इसमें आगे आने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया मप्र के शिवपुरी को देंगे 2500 करोड़ निवेश की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की सौगात

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार, 5 जुलाई को मध्य प्रदेश के शिवपुरी शहर को 2500 करोड़ रुपये के निवेश की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की सौगात देंगे। समयऔर कैलेंडर यह जानकारी मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के दौरान दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का 5 जुलाई को शिवपुरी भ्रमण प्रस्तावित है। शिवपुरी शहर के पोलो ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ यादव शिवपुरी में 2500 करोड़ के निवेश की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का शिलान्यास करेंगे। साथ ही विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

बैठक में ऊर्जा मंत्री तोमर ने कार्यक्रम की तैयारियों को समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के साथ कार्यक्रम की तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, यातायात, पार्किंग, मंच व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। प्रभारी मंत्री तोमर ने अन्य संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया। एक्ज़िक्यूटिवब्रांच उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में जनसमूह के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए सुगम यातायात, पर्याप्त पेयजल सुविधा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हितग्राही और आमजन रहेंगे। यह भी ध्यान रहे कि लोगों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में समस्या न आए। प्रभारी मंत्री तोमर ने पार्किंग व्यवस्था और यातायात प्रबंधन सुदृढ़ रहे।यातायात, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया से विस्तृत चर्चा की और प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी प्रबंध सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। यातायात प्रभारी ने रूट चार्ट और पार्किंग को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी दी। एक्ज़िक्यूटिवब्रांच प्रभारी मंत्री तोमर ने बताया कि शिवपुरी में अडानी समूह ने करोड़ों का निवेश किया है। इस डिफेंस यूनिट के आने से न सिर्फ क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे, बल्कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के अभियान को भी एक नई मजबूती मिलेगी।

बैठक में विधायक देवेंद्र जैन व महेंद्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु परस्पर समन्वय स्थापित कर कार्य करना सुनिश्चित करें।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत का लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात हासिल करना हैः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 1 ट्रिलियन डॉलर (एक लाख करोड़ डॉलर) के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। यह लक्ष्य पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के 863 अरब डॉलर के निर्यात की तुलना में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि के साथ हासिल करने का प्रयास है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित बोर्ड ऑफ ट्रेड बैठक को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि सरकार चालू वित्त वर्ष में मर्चेंडाइज (वस्तु) निर्यात को लगभग 530 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिसके लिए करीब 17 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता होगी। वहीं, सेवा निर्यात को 421 अरब डॉलर से बढ़ाकर लगभग 470 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा कि यदि जून तक के आंकड़ों को देखा जाए तो भारत अपने लक्ष्य की दिशा में सही रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार निर्यात क्षेत्र के लिए बड़ा और महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करना चाहती है। उन्होंने निर्यातकों और उद्योग जगत से मिलकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य से पीछे न रह जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक अहमियत ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नए अवसर पैदा किए हैं।

आरबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) पर नियमों के उल्लंघन के मामले में 63.6 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। ये कार्रवाई बैंक की कुछ कमियों और अनुपालन में हुई चूक को लेकर की गई है। छुट्टियांव मौसमी आयोजनआरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि नियामकीय मानकों के कुछ प्रावधानों के अनुपालन में कमी पाए जाने पर बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) पर 63.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने 'बैंकों के लिए उचित व्यवहार संहिता' और 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) नियमों के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के कारण बैंक ऑफ बड़ौदा पर यह जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) गाइडलाइंस के कुछ नियमों का पालन न करने के लिए जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर भी 3.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.654 अरब डॉलर घटकर 666.933 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। आर्थिक मोंचे पर झटका लगने वाली खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 जून को समाप्त हफ्ते में 5.654 अरब डॉलर घटकर 666.933 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि स्वर्ण भंडार और विदेशी मुद्रा आस्तियों में गिरावट के कारण विदेशी मुद्रा भंडार 26 जून को समाप्त हफ्ते में 5.654 अरब डॉलर घटकर 666.933 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 26 जून को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 15 करोड़ डॉलर घटकर 541.07 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 5.39 अरब डॉलर घटकर 102.54 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.56 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित कोष भी 2.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.77 अरब डॉलर रह गया। पश्चिम एशिया संकट से पहले 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

स्टॉक मार्केट में क्रेजी स्नैक्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। बेकरी आइटम और कई तरह के स्नैक्स बनाने वाली कंपनी क्रेजी स्नैक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 42 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 44 रुपये के स्तर पर हुई।लिस्टिंग के बाद दिनभर इस शेयर में उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर कई बार 46.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंचा। वहीं, मुनाफा वसूली होने पर ये 44.50 रुपये स्तर तक गिर भी गया। हालांकि दिनभर के कारोबार के बाद ये शेयर 46.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर ही पहुंच कर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.20 रुपये यानी 10 प्रतिशत का फायदा हो गया। क्रेजी स्नैक्स का 31.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.21 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

क्यूबेक के साथ साझेदारी से महाराष्ट्र में होगा बड़े पैमाने पर निवेशः फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कहा कि क्यूबेक के साथ साझेदारी से महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर निवेश होगा । मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सबसे तेज़ी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का लगभग 40 प्रतिशत निवेश महाराष्ट्र में आता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और खनन अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कनाडा के क्यूबेक प्रांत के अंतरराष्ट्रीय संबंध मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने विधान भवन में मुलाकात की। इस अवसर पर राज्य के प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वर्ष 2018 में मॉन्ट्रियल की यात्रा के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी तथा जनजातीय कल्याण जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। ये समझौते महाराष्ट्र और क्यूबेक के बीच मजबूत एवं घनिष्ठ संबंधों के प्रतीक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुंबई में महाराष्ट्र में निवेश की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवी मुंबई में एज्युसिटी का विकास किया जा रहा है, जहाँ सभी आवश्यक विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने क्यूबेक के विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे एज्युसिटी में अपने परिसर स्थापित करें और विशेष रूप से माइनिंग इंजीनियरिंग से संबंधित पाठ्यक्रम प्रारंभ करें। उन्होंने कहा कि राज्य में आधारभूत संरचना परियोजनाओं के साथ-साथ वाढवण बंदरगाह परियोजना पर भी तेजी से कार्य चल रहा है। उद्योगों की स्थापना के लिए महाराष्ट्र में निवेश-अनुकूल नीतियाँ लागू हैं और राज्य में किया गया निवेश दीर्घकालिक लाभ देने वाला है। उन्होंने कहा कि क्रिटिकल और स्ट्रैटेजिक मिनरल्स के क्षेत्र में क्यूबेक के निवेशकों के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में भी महाराष्ट्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। नागपुर क्षेत्र में डिफेंस कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिससे एयरोस्पेस क्षेत्र का मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो रहा है। इसके अलावा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर, बैटरी स्टोरेज और कृषि क्षेत्र की नई प्रौद्योगिकियों में भी महाराष्ट्र अग्रणी बन रहा है।

केंद्र, राज्य सरकार के कर्मचारी अब पीएलआई-आरपीएलआई एजेंट बन सकेंगे, भारतीय डाक ने शुरू की नई व्यवस्था

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय डाक ने केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए पोस्टल जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) योजनाओं के विपणन से जुड़ने का अवसर उपलब्ध कराया है। नई व्यवस्था के तहत डाक विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर सातवें वेतन आयोग के पे-लेवल-8 तक के कार्यरत केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी अदर डिपार्टमेंटल एम्प्लॉयी (ओडीई) के रूप में पंजीकरण करा सकेंगे। भारतीय डाक के अनुसार डाक महानिदेशालय के हालिया आदेश के तहत ओडीई के चयन, संचालन, प्रोत्साहन राशि और कार्यप्रणाली संबंधी दिशा-निर्देशों को मानकीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य सरकार समर्थित कम प्रीमियम वाली पीएलआई और आरपीएलआई योजनाओं की पहुंच का विस्तार करना है। इस व्यवस्था के तहत पात्र सरकारी कर्मचारी पीएलआई और आरपीएलआई पॉलिसियों के लिए अधिकृत बिक्री एजेंट के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें नई पॉलिसियां जुटाने और उनके नवीनीकरण पर निर्धारित शर्तों के अनुसार प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी। भारतीय डाक ने सोशल

मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डाक विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर पे-लेवल-8 तक के कार्यरत केंद्रीय और राज्य सरकारी कर्मचारी निर्धारित शर्तों के अधीन पीएलआई और आरपीएलआई कारोबार जुटाने के लिए ओडीई के रूप में जुड़ सकते हैं और प्रोत्साहन राशि अर्जित कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि पीएलआई की शुरुआत वर्ष 1884 में हुई थी। इसे भारत सरकार का जीवन बीमा कार्यक्रम माना जाता है और प्रारंभ में इसे डाक कर्मचारियों के लिए शुरू किया गया था। बाद में इसका दायरा बढ़ाकर केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों, विश्वविद्यालयों, सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों तथा कुछ अन्य पात्र संस्थानों के कर्मचारियों तक कर दिया गया। कम प्रीमियम, सरकार समर्थित सुरक्षा और आकर्षक बोनस के कारण यह योजना लोकप्रिय मानी जाती है। ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) की शुरुआत 1995 में ग्रामीण आबादी को जीवन बीमा का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पात्र लोगों के लिए है और कम प्रीमियम पर जीवन बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराती है।

कोलकाता की आईटी कंपनी पर ईडी का शिकंजा, विदेशी नागरिकों से 20 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी वीआरएम बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड तथा उसके निदेशक राजेश गोयनका समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने शनिवार को जारी अपने बयान में बताया है कि कंपनी के परिसर से अवैध कॉल सेंटर संचालित कर विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई।

ईडी ने जारी बयान में बताया कि इससे पहले जांच के दौरान 2.35 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियां और बैंक खातों को जब्त तथा फ्रीज किया गया था। इसके अलावा 11.14 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियां भी अस्थायी रूप से कुर्क की गई थीं। जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स बिधाननगर थाना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राजेश गोयनका और अन्य

आरोपित प्रतिष्ठित सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधि बनकर विदेशी ग्राहकों को फोन करते थे, उनसे विभिन्न बहानों से धन वसूलते थे और वादा की गई सेवाएं उपलब्ध नहीं कराते थे।

ईडी की जांच में सामने आया कि वीआरएम बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक राजेश गोयनका ने अवैध कॉल सेंटर चलाने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। यहां से संचालित कॉल सेंटर के कर्मचारी विदेशी नागरिकों को सॉफ्टवेयर सेवाएं उपलब्ध कराने के नाम पर ठगी करते थे।

एजेंसी के अनुसार, आरोपित कंपनी और उसके निदेशकों ने विदेशी नागरिकों से धोखाधड़ी कर कम से कम 20.35 करोड़ रुपये अर्जित किए। इस धन का उपयोग आभूषण खरीदने और अचल संपत्तियां अर्जित करने सहित अन्य निवेशों में किया गया। जांच में राजेश गोयनका और उनकी कंपनी को अपराध से अर्जित धन का प्रमुख लाभार्थी बताया गया है, जबकि कॉल सेंटर के संचालक और कर्मचारी भी इस अवैध कमाई के लाभार्थियों में शामिल थे। ईडी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि राजेश गोयनका के संरक्षण में संचालित यह अवैध व्यवस्था सुनियोजित तरीके से विदेशी नागरिकों को निशाना बनाती थी। आरोपित प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर इंटरनेट आधारित दूरभाष सेवाओं के माध्यम से विदेशी नागरिकों से संपर्क करते थे, उन्हें झूठे बहानों से डराते-धमकाते थे और उपहार वाउचर, तकनीकी सहायता, सदस्यता समाप्त करने जैसी अस्तित्वहीन सेवाओं के नाम पर भुगतान कराने के लिए प्रेरित करते थे। इससे विदेशी नागरिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचा, जबकि आरोपितों ने अवैध रूप से करोड़ों रुपये अर्जित किए।

रेनॉ की नई क्विड 2026 हुई लॉन्च, बदला लुक और बढ़े सुरक्षा फीचर

एजेंसी

नई दिल्ली। रेनॉ ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय हैचबैक क्विड का 2026 संस्करण लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 4.53 लाख रुपये तय की है। नए संस्करण में बाहरी और अंदरूनी हिस्से में हल्के बदलाव किए गए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने अब इस मॉडल को केवल दो संस्करणों में उपलब्ध कराया है। पहले मिलने वाले शुरुआती और मध्य संस्करणों को बंद कर दिया गया है। नई क्विड अब दोनों संस्करणों में हस्तचालित और स्वचालित गियर प्रणाली के विकल्प के साथ खरीदी जा सकेगी। नई क्विड को पेश करने के साथ ही कंपनी ने भारत के लिए अपनी भविष्य की योजनाओं का भी खुलासा किया है। कंपनी का कहना है कि अगले 18 महीनों के दौरान कुल 12 बड़े उत्पाद संबंधी कदम उठाए जाएंगे। इनमें से चार इस वर्ष के शेष महीनों में ही देखने को मिलेंगे। इनमें विशेष संस्करण, डिजाइन में बदलाव, नई तकनीक, नए इंजन विकल्प और बिल्कुल नए वाहन शामिल हो सकते हैं। पुराने शुरुआती संस्करण को बंद किए जाने के बाद नई क्विड की शुरुआती कीमत पहले की तुलना में 22 हजार रुपये बढ़ गई है। हालांकि, अब उपलब्ध दोनों प्रमुख संस्करणों की कीमतों में कमी भी की गई है, जिससे ग्राहकों को बेहतर विकल्प मिलने की उम्मीद है। नई क्विड के बाहरी स्वरूप में कुछ छोटे लेकिन आकर्षक बदलाव किए गए हैं। अब इसमें कंपनी का नया त्रिआयामी प्रतीक चिन्ह लगाया गया है। इसके अलावा 14 इंच के इस्पात पहियों पर नए दोहरे रंग वाले आवरण दिए गए हैं। पीछे की ओर वाहन के नाम की लिखावट का स्वरूप भी बदला गया है और उसे नया रजत रंग दिया गया है। इसके अलावा वाहन की अन्य डिजाइन पहले जैसी ही रखी गई है।

सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये मंजूर, खरीदे जाएंगे हथियार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये से हथियार खरीदने को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में यह स्वीकृति मिलने से हथियार खरीदे जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग' भारतीय सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाएगी। सक्रिय सुरक्षा प्रणाली टैंकों की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और काफी समय तक उनकी क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगी। डीएसी की बैठक में रक्षा बलों के लिए लगभग 52 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक

प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। भारतीय सेना के लिए मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग', मानव-चालित टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइल (एमपीएटीजीएम) प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) हथियार प्रणाली, बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वी-शोराड्स), टैंकों के लिए सक्रिय सुरक्षा प्रणाली और जेट आधारित कामिकेज़ ड्रोन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई। बहु-स्पेक्ट्रल संवेदन क्षमता से लैस वी-शोराड्स भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार जेट आधारित कामिकेज ड्रोन अधिक मारक क्षमता और दीर्घ अवधि तक बेहतर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता प्रदान करते हैं। भारतीय नौसेना के लिए मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम), नौसेना शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम (एनएसयूएएस) की खरीद और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के लिए भूमि आधारित परीक्षण सुविधा (एलबीटीएफ) की स्थापना को मंजूरी दी गई। एमआईजीएम दुश्मन की पैंतरेबाजी को नाकाम करने में समक्ष है। उन्नत सेंसरों से लैस एनएसयूएएस भारतीय नौसेना की स्थितिजन्य सतर्कता को बढ़ाएगी। एलबीटीएफ भारतीय नौसेना की परिसंपत्तियों के मोटर्स और संबंधित प्रणोदक प्रणाली की परीक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

सोना इस हफ्ते 6 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.3 लाख के पार

एजेंसी

नई दिल्ली।डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 6 हजार रुपए और 17 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,471 रुपए बढ़कर 1,46,344 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,39,873 रुपए पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,34,051 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,28,124 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,09,758 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,04,905 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 1 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,39,434 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 3 जुलाई को शाम के सत्र में 1,46,344 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 17,317 रुपए बढ़कर 2,33,858 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,16,541 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 3 जुलाई को शाम के सत्र में 2,33,858 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 1 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,21,355 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,170 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 62 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है। इससे साथ ही पिछले दो सत्रों डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से कीमती धातुओं में तेजी को सहारा मिला है।

स्टील आयात संबंधी मुद्दों पर चर्चा के लिए खुले मंच का आयोजन करेगा इस्पात मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय स्टील के आयात से संबंधित मुद्दों पर विचार विमर्श के लिए 9 जुलाई को खुले मंच का आयोजन करेगा। कंपनियां और एसोसिएशन्स इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए tech-steel@nic.in पर ई-मेल भेजकर अपना पंजीकरण कर सकती हैं। छुट्टियांव मौसमी आयोजनइस्पात मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि स्टील के आयात से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए 9 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के नेताजी नगर स्थित जीपीओए-3 की तीसरी मंजिल पर बने 'स्टील रूम' में खुले मंच का आयोजन किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा यह सेशन स्टील के आयात से जुड़ी ऑपरेशनल दिक्कतों को दूर करने पर केंद्रित होगा, जिसमें सिम्स/सरल सिम्स और क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) से छूट जैसे मामले शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि ओपन हाउस सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल होने वालों के लिए खास टाइम-स्लॉट की जानकारी ई-मेल के जरिए दी जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतों के कारण बिना अपॉइंटमेंट के आना संभव नहीं होगा, जबकि ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर संगठन से सिर्फ़ एक प्रतिनिधि को ही आने की अनुमति होगी।

भारत को वर्ष 2030-31 तक दो ट्रिलियन डॉलर निर्यात के लक्ष्य तक पहुंचाने में मप्र निभाएगा अग्रणी भूमिकाः कश्यप दक्षिण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री (एमएसएमई) मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप ने कहा कि भारत को वर्ष 2030-31 तक दो ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर निर्यात के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंचाने में मध्य प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य निर्यात वृद्धि के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। एमएसएमई मंत्री कश्यप वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई बोर्ड ऑफ ट्रेड की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में मध्य प्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश की निर्यात क्षमता, औद्योगिक विकास एवं निवेश संभावनाओं पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। बोर्ड बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, देश के प्रमुख उद्योगपति, निर्यातक, व्यापार बोर्ड के सदस्य, विभिन्न राज्यों के मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों से संपन्न हुए 9 मुक्त व्यापार समझौते भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हैं। उन्होंने सभी राज्यों से इन समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने तथा निर्यात को नई गति देने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। कश्यप ने कहा कि मध्य प्रदेश ने राज्य निर्यात नीति, जिला निर्यात कार्य योजनाओं, जिला निर्यात संवर्धन परिषदों, राज्य स्तरीय निर्यात संवर्धन परिषद तथा 'एक जिला-एक उत्पाद जैसी पहलों के माध्यम से मजबूत निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। प्रदेश का वस्तु निर्यात लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आगामी वर्षों में इसे और अधिक गति देने के लिए ठोस रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का टेक्सटाइल, फार्मा एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र तेजी से निर्यात वृद्धि का आधार बन रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में देश का पहला पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है, जहां लगभग 36 औद्योगिक इकाइयों के साथ 26,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौते हो चुके हैं तथा भूमि आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। साथ ही, उन्होंने इंदौर में टेक्सटाइल टेस्टिंग फैसिलिटी तथा एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए जाने का भी अनुरोध किया, जिससे प्रदेश के निर्यातकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मंत्री कश्यप ने बताया कि प्रदेश में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग पार्क तथा भोपाल के निकट सेमीकंडक्टर पार्क विकसित किया जा रहा है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मोबाइल विनिर्माण को नई गति मिलेगी। उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक टेस्टिंग फैसिलिटी स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी रेखांकित की। उन्होंने कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश ने हाल के महीनों में 20 नए जीआई टैग प्राप्त किए हैं, जिनमें अधिकांश कृषि एवं उद्यानिकी उत्पाद शामिल हैं। इन उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना आवश्यक है, ताकि वैश्विक बाजारों की गुणवत्ता आवश्यकताओं को आसानी से पूरा किया जा सके।

उन्होंने मध्य प्रदेश के भूमि बैंक की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए 13 स्थानों की पहचान की गई है तथा लगभग 12,000 एकड़ भूमि निवेशकों के लिए उपलब्ध कराई गई है। यह औद्योगिक विकास एवं बड़े निवेश आकर्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भौगोलिकसंदर्भ मंत्री काश्यप ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को निर्यात वृद्धि का आधार बताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में संचालित आई सी डी पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। इसे देखते हुए उन्होंने जबलपुर एवं रीवा क्षेत्र में नए आई सी डी तथा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क स्थापित करने का अनुरोध किया, जिससे पूर्वी मध्य प्रदेश के उद्योगों एवं निर्यातकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश प्राकृतिक संपदा, वन्यजीव एवं इको-टूरिज्म की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है।

नेपाल में सुशासन पर जोर, बालेन्द्र शाह सरकार के 100 दिन 'सकारात्मक' बताए गए : रवि लामिछाने

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती 100 दिन सुशासन और नागरिक सेवाओं में सुधार की दिशा में सकारात्मक रहे हैं। सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए लामिछाने ने कहा कि इस अवधि में सरकार का मुख्य फोकस सुशासन और जनता को सरल, पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने पर रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं को डिजिटल बनाने, होम डिलीवरी सिस्टम विकसित करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में काम शुरू किया गया है, ताकि आम लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से मिल सकें। लामिछाने के अनुसार, 'तुरंत दिखाई देने वाले परिणामों' पर भी काम जारी है और सरकार सुशासन को प्राथमिकता दे रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि जनता से मिलने वाले सुझावों के आधार पर नीतियों में सुधार किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी नए प्रशासन में प्रारंभिक चरण में कुछ प्रक्रियागत कमियां रह सकती हैं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि सरकार उन्हें पहचानकर सुधार की दिशा में आगे बढ़े। उनके अनुसार, यदि भविष्य में कोई कमी सामने आती है तो उसे दोबारा न दोहराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भारत-जापान सहयोग पर चीन ने कहा- टकराव के लिए नहीं हो साझेदारी

नई दिल्ली/बीजिंग। भारत और जापान के बीच बढ़ते सहयोग पर चीन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि दोनों देशों की साझेदारी का उद्देश्य किसी तीसरे देश, विशेषकर चीन को निशाना बनाना नहीं होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और जापान ने अहम खनिजों और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। समयऔर कैलेंडर सिंगापुर की प्रमुख समाचार नेटवर्क सीएनए (चैनल न्यूज़ एशिया) के अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग आपसी समझ और भरोसे को बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी तरह का गठबंधन या सहयोग टकराव बढ़ाने का कारण नहीं बनना चाहिए। यह टिप्पणी उस बैठक के बाद आई जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बीच नई दिल्ली में अहम खनिजों, सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक और सप्लाई चेन को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी। इन खनिजों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्टफोन और रक्षा उपकरणों में व्यापक रूप से होता है। चीन और जापान के बीच संबंध हाल के वर्षों में ताइवान मुद्दे और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। बीजिंग ने जापान की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई थी जिसमें संभावित ताइवान संकट की स्थिति में सैन्य हस्तक्षेप की बात कही गई थी।

पूर्वी इंडोनेशिया के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप, किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं

जकार्ता। पूर्वी इंडोनेशिया के नॉर्थ मलुकु प्रांत के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप में अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। तुर्किए की सरकारी संवाद एजेंसी अनाडोलू और इंडोनेशिया की चैनल न्यूज़ एशिया (सीएनए) के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 11:31 बजे टोबेलो से लगभग 58 किलोमीटर पश्चिम में आया। इसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई पर था। झटके इतने तेज थे कि आसपास के क्षेत्रों में लोग कुछ सेकंड के लिए घबरा गए। भूकंप के केंद्र से करीब 114 किलोमीटर दूर स्थित टर्नेट शहर के निवासी ने बताया कि झटके के दौरान वे एक कॉफी स्टॉल पर बैठे थे और अचानक कुर्सी हिलने लगी, जिससे उन्हें पिछले भूकंपों की याद आ गई। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने पुष्टि की है कि इस भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है। इंडोनेशिया 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधि के कारण भूकंप और ज्वालामुखीय घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसी वजह से यह देश दुनिया के सबसे भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

म्यांमार की सीमा पर युद्ध जैसे हालात, बांग्लादेश में शरणार्थी संकट की आशंका

ढाका। म्यांमार के रखाइन राज्य में तेज होती सैन्य झड़पों के बीच बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर तनाव बढ़ गया है। सीमा से लगे टेकनाफ और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को आशंका है कि हिंसा के कारण रोहिंग्या शरणार्थियों की एक नई लहर बांग्लादेश की ओर रुख कर सकती है। स्थानीय निवासियों और रखाइन में रहने वाले अपने रिश्तेदारों के संपर्क में रहने वाले रोहिंग्या शरणार्थियों के अनुसार, पिछले दो दिनों से सीमा पार लगातार भारी गोलीबारी और विस्फोटों की आवाज़ें सुनाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि म्यांमार की सेना ने मौंगडाव, बुथिडांग और अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों में अपने सैन्य अभियान तेज़ कर दिए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र शाह पोरिर द्वीप के निवासी शाह आलम ने बताया कि विस्फोट इतने शक्तिशाली थे कि घर भूकंप जैसी तीव्रता से हिलने लगे। हालांकि, बांग्लादेशी अधिकारियों ने उन खबरों की पुष्टि नहीं की है।

दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को दी गई श्रद्धांजलि, कई देशों के नेता हुए शामिल

एजेंसी

वाशिंगटन । ईरान के बड़े और विदेशी अधिकारियों ने तेहरान में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि समारोह सुबह सेंट्रल तेहरान में इमाम खुमैनी के मोसल्ला प्रार्थना हॉल में शुरू हुआ और पूरे दिन चला। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गलीबाफ, ज्यूडिशियरी चीफ गुलाम हुसैन मोहसेनी-एजेई, एक्सपीडिएंसी डिस्कर्नमेंट काउंसिल (ईरान का एक प्रमुख प्रशासनिक और सलाहकार निकाय) के चेयरमैन सादिक अमोली लारीजानी और दूसरे सीनियर अधिकारी समारोह में शामिल हुए। विदेशी मेहमानों में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष, संसद के स्पीकर और मंत्री शामिल थे। इनमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर, अर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान, जॉर्जिया के राष्ट्रपति मिखाइल कवेलश्विली, इराकी राष्ट्रपति निजार अमेदी, ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन, इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र के राष्ट्रपति नेचिरवन बरजानी, साथ ही चीन और रूस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। धार्मिक हस्तियां, विद्वान और आदिवासी नेता भी समारोह में शामिल हुए। अंतिम संस्कार की रस्में 9 जुलाई तक चलेंगी, जिसमें तेहरान, कोम और मशहद में जुलूस निकाले जाएंगे, साथ ही इराक में भी रस्में होंगी। ईरानी अधिकारियों ने तेहरान और मशहद में खास तारीखों पर पब्लिक बंद और एयरस्पेस पर रोक लगाने की घोषणा की है तथा गुरुवार को राष्ट्रीय शोक का दिन घोषित किया गया है। बता दें, अली खामेनेई 28 फरवरी को तेहरान में अमेरिकी और इजरायली हमले में मारे गए थे। उनके बेटे, मोजतबा खामेनेई को मार्च में ईरान का नया सुप्रीम लीडर चुना गया था। इस बीच, विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (रिटायर्ड) ने तेहरान में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत की तरफ से श्रद्धांजलि दी। एमओएस मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बिहार के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और मैंने तेहरान में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह सैय्यद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सरकार और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी। ' विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 'इस सेरेमनी में उच्च-स्तरीय प्रतिनिधित्व दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संबंधों की अहमियत को दिखाता है, जिसमें लोगों का आपस में जुड़ाव भी शामिल है। यह राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को एक मजबूत नींव देता है। ' 4-5 जुलाई को तेहरान में इमाम खुमैनी के मोसल्ला प्रार्थना हॉल में विदाई समारोह होगा ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर एच5एन1 बर्ड फ्लू का पहला संदिग्ध मामला आया सामने

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें देश के पूर्वी तट पर जानलेवा एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा का पहला संदिग्ध मामला मिला है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की कृषि मंत्री तारा मोरियार्टी ने बताया कि सिडनी से लगभग 165 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित तटीय कस्बे हॉक्स नेस्ट के पास बीमार मिले एक प्रवासी जायंट पेट्रेल पक्षी से लिए गए नमूनों की प्रारंभिक जांच में अत्यधिक रोगजनक एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा स्ट्रेन की पुष्टि के संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम पुष्टि के लिए इन नमूनों को राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी को भेजा गया है। यदि जांच में संक्रमण की पुष्टि होती है, तो यह ऑस्ट्रेलियाई मुख्यभूमि पर एच5एन1 स्ट्रेन का छठा और देश के पूर्वी तट पर इसका पहला मामला होगा। पिछले सभी पांच मामले जून में प्रवासी पक्षियों में पाए गए थे, जिनमें से चार पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में और एक दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में था।

मोरियार्टी ने कहा कि राज्य सरकार ने पोल्ट्री इंडस्ट्री को संदिग्ध मामले के बारे में बता दिया है। उन्होंने कहा, 'हमें पोल्ट्री इंडस्ट्री पर असर पड़ने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है, अंडे खरीदते रहें, चिकन खरीदते रहें। ' पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) में पहला मामला सामने आने से पहले तक ऑस्ट्रेलियाई मुख्यभूमि दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां एच5एन1 स्ट्रेन नहीं पहुंचा था। वर्ष 2020 से अब तक इस वायरस के कारण दुनिया भर में लाखों पक्षियों और अन्य वन्यजीवों की मौत हो चुकी है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, यही वजह थी कि ऑस्ट्रेलिया अब तक इस संक्रमण से मुक्त माना जा रहा था।

रूस ने पूर्वी यूक्रेन के कोंस्तांतिनोवका शहर पर कब्जे का किया दावा, पुतिन ने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण बताया

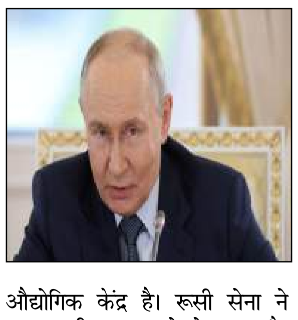

एजेंसी

मॉस्को । रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के बीच क्रेमलिन ने बड़ा दावा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के कोंस्तांतिनोवका शहर पर पूरा नियंत्रण स्थापित कर लिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण बताया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से आरआईए नोवोस्ती ने बताया, 'कोंस्तांतिनोवका पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया है।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोंस्तांतिनोवका यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण शहर है। इस घोषणा के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संयुक्त सैन्य बल समूह के एक अस्थायी कमांड पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोंस्तांतिनोवका पर कब्जा रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुतिन ने कहा, 'जैसा कि हम सभी जानते हैं, यह शहर डोनबास का प्रमुख परिवहन केंद्र और एक बड़ा औद्योगिक केंद्र है। रूसी सेना ने 2026 की शुरुआत से डोनबास और नोवोरोसिया में 133 बस्तियों तथा 3,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित किया है। '

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यूक्रेन जितनी अधिक बार रूस के रिहायशी इलाकों पर हमला करने की कोशिश करेगा, रूस को अपने नागरिकों और सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए उतनी ही कड़ी कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा, 'दुश्मन जितनी अधिक ऐसी कोशिशें करेगा, हमें आसपास के क्षेत्रों में उतना ही बड़ा सुरक्षा बफर जोन बनाना होगा। ' पुतिन ने यह भी दावा किया कि रूसी सेना ने लुहांस्क पीपल्स रिपब्लिक को पूरी तरह 'मुक्त' करा लिया है।संयुक्त सैन्य बल समूह (सीजेटीएफ) के एक अस्थायी कमांड पोस्ट पर आयोजित बैठक के दौरान पुतिन ने कहा, 'मैंने देखा है कि सीजेटीएफ की यूनिट्स और फॉर्मेशन्स, सुरक्षा बलों (रूसी फेडरेशन के) के जनरल स्टाफ के बनाए ऑपरेशनल प्लान के हिसाब से अपने मिशन पूरे कर रही हैं। लुहांस्क पीपल्स रिपब्लिक की पूरी आजादी हाल ही में पूरी हुई है। ' उन्होंने कहा कि डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक के शेष क्षेत्रों के साथ-साथ जापोरिज्जिया और खेरसॉन क्षेत्रों में यूक्रेनी सैन्य इकाइयों के खिलाफ अभियान जारी है।

अमेरिका-ईरान समझौते के बीच फ्रांस ने होर्मुज स्ट्रेट से वापस बुलाया अपना विमानवाहक पोत

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि फ्रांसीसी विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल अब मध्य पूर्व से अपने घरेलू बंदरगाह टूलॉन लौट रहा है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, इस विमानवाहक पोत को फ्रांस और ब्रिटेन के नेतृत्व में होर्मुज स्ट्रेट में प्रस्तावित बहुराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा मिशन की तैयारी के लिए क्षेत्र में भेजा गया था। मैक्रों ने अपने पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इसी वजह से फ्रांस ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी में बदलाव करने का फैसला किया है।हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस के बारूदी सुरंग हटाने वाले संसाधन और उनके सुरक्षा बेड़े वहीं तैनात रहेंगे और जरूरत पड़ने पर सहयोगी देशों के साथ अभियान चलाने के लिए तैयार रहेंगे। फ्रांसीसी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया है कि चार्ल्स डी गॉल फिलहाल भूमध्य सागर में मौजूद है। फ्रांस और ब्रिटेन ने अप्रैल के मध्य में घोषणा की थी कि वे होर्मुज स्ट्रेट में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा एस्कॉर्ट मिशन का नेतृत्व करेंगे। इसके बाद मई में फ्रांस ने इस अभियान की तैयारी के लिए चार्ल्स डी गॉल को मध्य पूर्व भेजा था, ताकि संघर्ष थमने के बाद मिशन को आधिकारिक रूप से शुरू किया जा सके। अमेरिका और ईरान के बीच 14 जून को समझौता ज्ञापन पर सहमति बनी थी। इसके अगले दिन मैक्रों ने कहा था कि यदि हालात अनुकूल रहे तो चार्ल्स डी गॉल दो से तीन दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट पहुंचकर एस्कॉर्ट मिशन में शामिल हो सकता है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत में 'लगभग उन सभी बातों पर सहमत हो गया है, जिनकी अमेरिका को जरूरत थी।' हालांकि, उन्होंने दोहराया कि ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है।

वेनेजुएला भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,645 तक पहुंची, रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी

एजेंसी

काराकास । वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि 24 जून को वेनेजुएला में आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,645 हो गई है और 12,666 लोग घायल हुए हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज अस्थायी कैंप बनाने के कमांड सेंटर की भी प्रमुख हैं। उन्होंने टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक अपडेट में कहा कि 6,462 लोगों को बचाया गया है और 86,117 परिवारों को मदद मिली है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि भूकंप से 885 बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा और 189 इमारतें गिर गईं। इसके साथ ही अधिकारियों ने इस आपदा से प्रभावित लोगों के रहने के लिए 59 अस्थायी कैंप बनाए हैं।

रोड्रिगेज ने कहा कि शक्तिशाली भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 890 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए हैं। आपातकाल से निपटने के लिए देश भर में 3,305 अंतरराष्ट्रीय बचावकर्मी और 29,567 इमरजेंसी रेस्पॉन्डर तैनात हैं।कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने इससे पहले स्वास्थ्य श्रमिकों, सुरक्षा कर्मचारियों और फायरफाइटर्स से भूकंप की वजह से घर की दिक्कतों को दूर करने के लिए पैट्रिया प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर करने को कहा था।उन्होंने कहा कि 25 अस्थायी कैंप सक्रिय थे, जिनमें ला गुएरा में 13, काराकास में आठ, मिरांडा में दो, काराबोबो में एक और याराकुय में एक कैंप शामिल हैं। रोड्रिगेज ने कहा कि अधिकारी कैंपों को तैयार करने और प्रभावित लोगों को वहां भेजने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।

इसके अलावा, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए शक्तिशाली भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं। खतरनाक भूकंपों से हुए मानव जीवन के नुकसान से वेनेजुएला बुरी तरह टूट गया है। '

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार तक भूकंप से कम से कम 1,943 लोगों की मौत हो चुकी थी और 10,500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी।

जापानी मीडिया ने 16वें भारत-जापान समिट की सफलता की सराहना की

एजेंसी

टोक्यो । कई जापानी अखबारों और मीडिया आउटलेट्स ने नई दिल्ली में हुए सफल 16वें भारत-जापान वार्षिक समिट की सकारात्मक कवरेज की है। इसमें कई रणनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में लगातार हो रही तरक्की पर जोर दिया गया है। यह कवरेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी जापानी समकक्ष साने ताकाइची के बीच गुरुवार को 16वीं भारत-जापान वार्षिक समिट बातचीत के बाद आया। इस समिट के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की और उसे मजबूत किया। द जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सप्लाई चेन इशू, ऊर्जा सुरक्षा और चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, गुरुवार को नई दिल्ली में पीएम मोदी के साथ समिट के दौरान प्रधानमंत्री ताकाइची ने जापान के एक खास हिंद-प्रशांत साझेदार के साथ संबंध मजबूत करने का कदम उठाया।

रिपोर्ट में कहा गया, 'टोक्यो के लिए यह समिट ऐसे समय में हो रहा है जब चीन के लगातार आर्थिक फायदे के इस्तेमाल को लेकर बीजिंग के साथ तनाव बढ़ रहा है, जिसमें डुअल-यूज वाले सामानों से जुड़े हालिया एक्सपोर्ट कंट्रोल उपाय और जापानी कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करना शामिल है। ' इसमें आगे कहा गया है, 'ताकाइची सरकार के लिए सप्लाई चेन में मजबूती को एक डिप्लोमैटिक प्राथमिकता के तौर पर देखते हुए, भारत अपने बड़े बाजार, बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग बेस और तकनीकी श्रमिकों के बड़े संपर्क को देखते हुए एक आकर्षक साझेदार बन गया है। ' क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस इलाके में चीन के बढ़ते सैन्य और आर्थिक प्रभाव के बीच, जापान भारत को एक आजाद और खुले हिंद-प्रशांत को आगे बढ़ाने में एक अहम साझेदार मानता है।

प्रेसिडेंट ट्रंप उषा वेंस के पॉडकास्ट में हुए शामिल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों को लेकर की टिप्पणी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेकंड लेडी उषा वेंस के बच्चों के पॉडकास्ट में हिस्सा लेते हुए अमेरिका के कई पूर्व राष्ट्रपतियों को लेकर दिलचस्प टिप्पणियां कीं। यह पॉडकास्ट जारी हुआ। इस दौरान उन्होंने अपने ऊपर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए खास संदेश दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ओवल ऑफिस में रिकॉर्ड किए गए 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' के एक एपिसोड में उषा वेंस के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी। यह किताब अमेरिकी राष्ट्रपतियों की खेल और मनोरंजन संबंधी रुचियों पर प्रकाश डालती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अब भी मनोरंजन के लिए पढ़ने का समय मिलता है, तो ट्रंप ने कहा, 'मैं ज्यादातर अखबार पढ़ता हूं। आमतौर पर मैं अपने बारे में छपी खबरें पढ़ता हूं। 'किताब के पन्ने पलटते हुए ट्रंप ने कई पूर्व राष्ट्रपतियों का जिक्र किया। उन्होंने लिंडन बी. जॉनसन को 'बहुत टफ इंसान' बताया और रोनाल्ड रीगन को 'अच्छे गुणों वाला इंसान' कहा। हैरी ट्रूमैन के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस के परिसर में घूमना पसंद था। बिल क्लिंटन का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वह वास्तव में एक अच्छे इंसान थे। मुझे बिल क्लिंटन बहुत पसंद हैं।' वहीं, अब्राहम लिंकन की घुड़सवारी वाली एक तस्वीर देखकर उन्होंने कहा कि वह भी घुड़सवारी करना चाहेंगे, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि घोड़े से गिरना अच्छा नहीं होता। राष्ट्रपति ट्रंप ने फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट, गेराल्ड फोर्ड और जॉन एफ. केनेडी के बारे में भी बात की। केनेडी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें दूसरा सबसे आकर्षक दिखने वाला राष्ट्रपति माना जाता है। रिचर्ड निक्सन के राष्ट्रपति कार्यकाल का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया, क्योंकि बहुत से लोगों ने उन्हें मुश्किल में डाला और अंत में वह खुद भी मुसीबत में पड़ गए। '

इस दौरान ट्रंप ने बराक ओबामा का भी जिक्र किया। उन्होंने ओबामा को उनके पूरे नाम से संबोधित किया और उनकी बास्केटबॉल खेलते हुए एक तस्वीर पर टिप्पणी की। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मुझे नहीं पता कि वह अच्छे बास्केटबॉल खिलाड़ी थे या नहीं। मुझे इस पर संदेह है। दरअसल, उनका पसंदीदा खेल गोल्फ है, लेकिन वह जल्द ही मास्टर्स टूर्नामेंट में खेलते नजर नहीं आएंगे। ' पूर्व राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैंने कभी भी व्हाइट हाउस के बाहर बने पुटिंग ग्रीन का इस्तेमाल नहीं किया, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि लोग मुझे व्हाइट हाउस में गोल्फ पुटिंग करते हुए देखें।

पाकिस्तान में 80 फीट नीचे खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस; 40 की मौत, आठ घायल

एजेंसी

क्वेटा । खैबर पख्तूनख्वा में भीषण सड़क हादसा सामने आया, जिसमें 40 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी कि बलूचिस्तान के शेरानी जिले के धनसार इलाके से निकलकर प्रांतीय सीमा पार कर खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान में घुसते ही पेशावर जा रही एक यात्री बस खाई में गिर गई। पाकिस्तान की मीडिया डॉन के अनुसार, इस भयानक घटना में 40 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के मीडिया और राजनीतिक मामलों के सहायक, शाहिद रिंद ने सबसे पहले मरने वालों की संख्या बताई। हालांकि, बाद में केपी रेस्क्यू 1122 ने भी इसकी पुष्टि की। रिंद के बयान में कहा गया कि बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के निर्देश पर दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिए गए थे। शुक्रवार सुबह बयान में कहा गया, 'दोनों प्रांतों के जिला प्रशासन, बचाव और दूसरे संबंधित विभाग प्रभावित लोगों को मदद दे रहे हैं। सच सामने लाने के लिए घटना की जांच की जाएगी। ' केपी रेस्क्यू 1122 के एक बयान में कहा गया कि झोब इमरजेंसी सर्विस और रेस्क्यू 1122 की टीमें दुर्घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद मौके पर पहुंचीं और बचाव का काम शुरू किया। आठ घायलों को इलाज के लिए झोब के डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर हॉस्पिटल (डीएचक्यू) ले जाया गया। इसके अलावा शवों को पहले पास के एक ग्रामीण हेल्थ सेंटर भेजा गया और फिर बाद में शवों को झोब डीएचक्यू ले जाया गया। इसमें यह भी बताया गया कि जब बस खाई में गिरी तो उसमें 48 यात्री सवार थे।

डॉन के अनुसार, जोब में इमरजेंसी सेंटर के प्रमुक सनाउल्लाह शेरानी ने बताया कि बस लगभग 70 से 80 फीट नीचे खाई में गिर गई और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका होने की वजह से बचाव टीमों को ऑपरेशन के शुरुआती दौर में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी दुख जताया और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। राष्ट्रपति के मुताबिक, उन्होंने घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना की और संबंधित विभागों को घायलों को सबसे अच्छी मेडिकल सुविधाएं देने का निर्देश दिया।

तक्षशिला में पुनर्निर्माण को लेकर यूनेस्को ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

एजेंसी

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने पाकिस्तान को विश्व धरोहर स्थल तक्षशिला में दो प्राचीन स्मारकों पर किए गए पुनर्निर्माण कार्य को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। एजेंसी ने कहा है कि यदि निर्माण कार्य को मूल स्वरूप के अनुरूप बहाल नहीं किया गया, तो तक्षशिला को खतरे में पड़ी विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया जा सकता है और उसकी विश्व धरोहर का दर्जा भी प्रभावित हो सकता है। रूस की अंतरराष्ट्रीय सरकारी समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि यूनेस्को ने हाल ही में पाकिस्तान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में स्पष्ट किया कि ऐतिहासिक स्थलों पर अनावश्यक बदलाव उनकी प्रामाणिकता और ऐतिहासिक अखंडता को नुकसान पहुंचाते हैं। एजेंसी ने जर्मनी के एक विश्व धरोहर स्थल का उदाहरण भी दिया, जिसे इसी तरह के कारणों से सूची से हटाया गया था। यूनेस्को ने विशेष रूप से तक्षशिला के दो प्रमुख पुरातात्विक स्थलों मोहरा मोराडु और सिरकप पर किए गए पुनर्निर्माण पर आपत्ति जताई है। एजेंसी का कहना है कि इन कार्यों से स्मारकों का मूल स्वरूप प्रभावित हुआ है।

गर्मी की वजह से अमेरिका ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया बदलाव; ट्रंप का भाषण और आतिशबाजी रहेगी जारी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजकों ने भीषण गर्मी को देखते हुए वाशिंगटन में शनिवार को आयोजित होने वाले 'सैल्यूट टू अमेरिका' कार्यक्रमों के शेड्यूल में बदलाव किया है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन और शाम की आतिशबाजी अपने निर्धारित समय पर ही होगी। इन बदलावों का असर ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर, फीफा फैन जोन और वाशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर में आम लोगों के प्रवेश और कार्यक्रमों की समय-सारिणी पर पड़ेगा। अधिकारियों ने कहा कि आगंतुकों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। फ्रीडम 250, यूनाइटेड स्टेट्स पार्क पुलिस, नेशनल पार्क सर्विस, अमेरिका गुप्त सेवा और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'इस ऐतिहासिक 250वें स्वतंत्रता दिवस को मनाते समय हर अतिथि की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। ' बयान में कहा गया, 'मौजूदा गर्मी को देखते हुए सभी एजेंसियों ने मिलकर कार्यक्रम के समय में बदलाव किया है तथा पूरे परिसर में कूलिंग रिसोर्स,, पेयजल केंद्र और स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ाई हैं। हमें अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार समारोह में जनता का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। '

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर और नेशनल मॉल स्थित फीफा फैन जोन दोपहर में खुलेंगे और 'सैल्यूट टू अमेरिका' कार्यक्रम समाप्त होने तक खुले रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि आगंतुकों के लिए निःशुल्क पेयजल, रिफिल स्टेशन, कूलिंग टेंट, वातानुकूलित कूलिंग बसें तथा चौथी स्ट्रीट से 14वीं स्ट्रीट के बीच 15 वातानुकूलित पवेलियन उपलब्ध कराए जाएंगे। नेशनल मॉल के ऊपर विमान प्रदर्शन और सैन्य हवाई प्रदर्शन दोपहर 1:15 बजे शुरू होंगे। वाशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर शाम 5 बजे खोला जाएगा, जो मुख्य कार्यक्रम से दो घंटे पहले होगा, ताकि लोगों को लंबे समय तक गर्मी में इंतजार न करना पड़े। 'सैल्यूट टू अमेरिका' का मुख्य कार्यक्रम शाम 7 बजे शुरू होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रात 9:45 बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इसके बाद रात 10:30 बजे आतिशबाजी का प्रदर्शन शुरू होगा, जिसे आयोजकों ने दुनिया का सबसे बड़ा आतिशबाजी प्रदर्शन बताया है।

दिन के एरियल प्रोग्राम में नासा एयरक्राफ्ट, यूएस कोस्ट गार्ड, आर्मी हेलीकॉप्टर, एयर फोर्स बॉम्बर और फाइटर, मरीन कॉर्प्स और नेवी एयरक्राफ्ट, ब्लू एंजल्स, थंडरबर्ड्स, एफ-22 रैप्टर, बी-1 बॉम्बर और एयर फोर्स वन के फ्लाईओवर और डेमोंस्ट्रेशन शामिल हैं। अधिकारियों ने आयोजकों से फ्री हाइड्रेशन स्टेशन इस्तेमाल करने, खूब पानी पीने और छायादार या एसी वाली जगहों पर रेगुलर ब्रेक लेने की अपील की। उन्होंने लोगों को हल्के रंग के ढीले-ढाले कपड़े पहनने और चौड़ी किनारी वाली टोपी पहनने की भी सलाह दी। एडवाइजरी में खास तौर पर आगंतुकों से छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी मेडिकल कंडीशन वाले लोगों पर ज्यादा ध्यान देने को कहा गया। अगर किसी को भी गर्मी से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखें, तो उनसे साइट पर मौजूद मेडिकल यूनिट से मदद लेने की अपील की गई। मेहमानों को यह भी कहा गया कि वे शाम 5 बजे ओपनिंग से एक घंटे पहले वाशिंगटन मॉन्यूमेंट ग्राउंड पर न पहुंचें। उन्हें सलाह दी गई कि वे खाली, दोबारा इस्तेमाल होने वाली नॉन-मेटल पानी की बोतलें लाएं, जिन्हें वेन्यू पर मौजूद हाइड्रेशन स्टेशनों पर फिर से भरा जा सके। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और प्रवेश प्रक्रिया तेज करने के लिए अतिरिक्त कूलिंग स्टेशन, मिस्टिंग एरिया, छायादार विश्राम स्थल, मेडिकल स्टाफ, मैग्नेटोमीटर तथा बिना बैग वाले आगंतुकों के लिए त्वरित प्रवेश लेन की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने किया नितिन नबीन का स्वागत

पहली बार लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सीएम योगी ने मंत्रियों व कार्यकर्ताओं से कराया परिचय

***लखनऊ, 4 जुलाई।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद नितिन नबीन शनिवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर व भगवा अंगवस्त्र पहनाकर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से प्रदेश सरकार के मंत्रियों व कार्यकर्ताओं का परिचय भी कराया।

संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा कि प्रभु श्रीराम एवं लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष/केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, एके शर्मा, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नन्दी, संजय निषाद, दारा सिंह चौहान, जेपीएस राठौर, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, संजय सेठ, ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि व संगठन के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

डीसी कठुआ ने कठुआ क्रिकेट लीग का किया शुभारंभ, युवाओं को नशामुक्ति का संदेश

कठुआ, 04 जुलाई (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को राजकीय डिग्री कॉलेज बॉयज के खेल मैदान में कठुआ क्रिकेट लीग का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने और नशे से दूर रखने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि खेल युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है और इससे अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं के लिए ऐसे और अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग ले रही हैं। लीग चरण के मुकाबले सफेद पोशाक में लाल गेंद से खेले जा रहे हैं जबकि नॉकआउट चरण में रंगीन पोशाक और सफेद गेंद का उपयोग होगा। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में कठुआ ब्लास्टर्स, बरवाल एथलीट क्लब और गुरहा मुंडा की टीमों ने जीत दर्ज कर शानदार शुरुआत की।

इस मौके पर मुख्य योजना अधिकारी रणजीत ठाकुर, जिला सूचना अधिकारी राजिंदर डिगरा, सहायक निदेशक युवा सेवा एवं खेल संदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी, खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

स्थानीय समाचार

सेना ने गुर्जर-बकरवाल समुदाय के साथ विशेष बैठक आयोजित की

रामबन, 04 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने जिला रामबन के दूरदराज क्षेत्र मोरी में गुर्जर-बकरवाल समुदाय के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय के साथ विश्वास और सहयोग को मजबूत करना तथा नागरिक-सेना संबंधों को और सुदृढ़ बनाना था।

बैठक के दौरान गुर्जर और बकरवाल समुदाय के लोगों को अपनी समस्याएं, आवश्यकताएं और सुझाव सीधे सेना के प्रतिनिधियों के समक्ष रखने का अवसर मिला।

इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, आजीविका, दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन तथा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा की गई।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए भविष्य में भी विभिन्न जनकल्याण और आउटरीच कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सेना केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि स्थानीय समुदाय के सामाजिक और मानवीय विकास में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही है। बैठक में स्थानीय बुजुर्गों, युवाओं और समुदाय के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और विकास के लिए भारतीय सेना द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की।

सेना ने सांप्रदायिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को मजबूत करने का दिया संदेश

जम्मू, 04 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने जिला डोडा के भद्रवाह स्थित धर्मकोट के किला मोहल्ला में शनिवार को 'कौमी एकता मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न समुदायों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द, आपसी विश्वास, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना था। इस आयोजन में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़े करीब 140 लोगों ने भाग लिया। इनमें स्थानीय युवा, बुजुर्ग, समुदाय के प्रतिनिधि और अन्य नागरिक शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सद्भाव, आपसी सहयोग और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भारत की विविधता में एकता की परंपरा को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने समाज में शांति, परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सामुदायिक नेतृत्व, युवाओं, शिक्षकों और जागरूक नागरिकों की भूमिका भाईचारा कायम रखने तथा समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों को रोकने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों और प्रेरणादायक भाषणों ने उपस्थित लोगों में राष्ट्रभक्ति, एकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया। विभिन्न समुदायों के लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

जम्मू-कश्मीर टीचर्स फोरम ने सेवानिवृत्त शिक्षक को दी विदाई

जम्मू, 04 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर टीचर्स फोरम (जेकेटीएफ) जोन मीरां साहिब द्वारा शनिवार को सरकारी प्राथमिक विद्यालय चक तलाब के शिक्षक बच्चन लाल के सेवानिवृत्त होने पर एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके शिक्षण क्षेत्र, समाज और शिक्षक समुदाय के प्रति योगदान को सम्मानित किया गया।

समारोह में जेकेटीएफ के मुख्य संरक्षक गणेश खजूरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चन लाल को एक समर्पित, अनुशासित और कर्मनिष्ठ शिक्षक बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के हित और शिक्षकों के अधिकारों के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है और उनका अनुभव समाज के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा।

इस अवसर पर गणेश खजूरिया ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय मेहलोवाल के शिक्षक रशपाल दास को जेकेटीएफ, जोन मीरां साहिब का नया जोनल अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा भी की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रशपाल दास अपने समर्पण, संगठनात्मक क्षमता और नेतृत्व कौशल से संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेंगे।

अमरनाथ यात्रा पड़ाव व पंजीकरण केंद्र बहाल करने की मांग तेज

कठुआ, 04 जुलाई (हि.स.)। पूर्व एमएलसी सुभाष गुप्ता ने शिव धाम छन्न अरोड़ियां कठुआ में श्री अमरनाथ यात्रा के लिए आधिकारिक पंजीकरण केंद्र खोलने तथा यात्रा काफिलों का पड़ाव पुनः शुरू करने की जोरदार मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा एवं केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की अपील की।

मीडिया से बातचीत में सुभाष गुप्ता ने कहा कि बाबा बर्फानी सेवा मंडल पिछले 24 वर्षों से अमरनाथ यात्रियों की निस्वार्थ सेवा कर रहा है।

शिव धाम स्थित लंगर स्थल एक प्रमुख सेवा केंद्र बन चुका है जहां करीब 1,000 यात्रियों के ठहरने, स्नान व स्वच्छता की समुचित व्यवस्था के साथ एक समय में 1,000 से अधिक श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि यहां 24 घंटे मुफ्त चिकित्सा शिविर संचालित हो रहा है जहां दवाइयों सहित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। साथ ही पर्याप्त पार्किंग और सीसीटीवी निगरानी के जरिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व वर्षों में अमरनाथ यात्रा के काफिले शिव धाम में रुकते थे जिससे हजारों श्रद्धालुओं को भोजन, विश्राम और अन्य सुविधाओं का लाभ मिलता था। लेकिन इस वर्ष काफिले बिना रुके सीधे जम्मू की ओर जा रहे हैं जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिव धाम छन्न अरोड़ियां में काफिलों का पड़ाव दोबारा शुरू किया जाए। साथ ही यहां पंजीकरण केंद्र स्थापित करने से जम्मू के केंद्रों पर भीड़ कम होगी और यात्रा प्रबंधन अधिक सुचारु बनेगा।

दलाई लामा के 91वें जन्मदिवस पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सप्ताहभर होंगे कार्यक्रम

जम्मू, 04 जुलाई (हि.स.)। भारत तिब्बत सहयोग मंच (बीटीएसएम) ने परमपावन दलाई लामा के 91वें जन्मदिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी जिलों में सप्ताहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। इस संबंध में जम्मू में आयोजित संगठन की एक बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता बीटीएसएम के बौद्धिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह-संयोजक तथा जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख इकाई के अध्यक्ष डॉ. विवेक शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि दोनों केंद्र शासित प्रदेशों की विभिन्न इकाइयों द्वारा शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सेमिनार, प्रार्थना सभाएं, प्रदर्शनी, पौधारोपण अभियान तथा विद्यार्थियों और युवाओं के साथ संवाद सत्र शामिल होंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य करुणा, शांति, अहिंसा और सार्वभौमिक भाईचारे के संदेश को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि परमपावन दलाई लामा ने अपना संपूर्ण जीवन सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों, अंतरधार्मिक सद्भाव, अहिंसा तथा तिब्बती संस्कृति और विरासत के संरक्षण के लिए समर्पित किया है।

संस्कृत भाषा के संरक्षण, वैदिक अध्ययन के संवर्धन और शैक्षणिक पहल पर हुई चर्चा

जम्मू, 04 जुलाई (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन तथा वैदिक अध्ययन को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान महंत रोहित शास्त्री ने संस्कृत शिक्षा के विस्तार, वैदिक परंपरा के संरक्षण तथा युवा पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत और वैदिक अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए जिससे देश की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सशक्त बनाया जा सके।

बांदा गांव में डीप बोरवेल का उद्घाटन, ग्रामीणों को मिला स्वच्छ पेयजल

कठुआ, 04 जुलाई (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पंचायत फोरलेन वेस्ट-बी के गांव बांदा में शनिवार को उस समय ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला जब करीब 70 वर्षों से चले आ रहे स्वच्छ पेयजल संकट का समाधान हो गया। विधायक जसरोटा राजीव जसरोटिया की पत्नी अरुणा जसरोटिया ने गांव में स्थापित डीप बोरवेल का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया।

गांव के लोग दशकों से पारंपरिक कुओं के पानी पर निर्भर थे और विशेषकर गर्मियों में उन्हें भारी जल संकट का सामना करना पड़ता था। ऐसे में डीप बोरवेल का शुरू होना स्थानीय निवासियों के लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। ग्रामीणों ने इसे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया। उद्घाटन के मौके पर अरुणा जसरोटिया ने कहा कि स्वच्छ पेयजल हर व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है और यह खुशी की बात है कि गांव बांदा के लोगों की लंबे समय से लंबित मांग अब पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना विधायक राजीव जसरोटिया की जनहित के मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो दूरदराज के क्षेत्रों तक विकास पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

इंटर-एनआईटी फैकल्टी एंड स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज़, मेज़बान एनआईटी श्रीनगर ने 10 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

जम्मू, 04 जुलाई (हि.स.)। ऑल इंडिया इंटर-एनआईटी फैकल्टी एंड स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष) 2026 का शनिवार को श्रीनगर में शानदार आगाज़ हुआ। देशभर के 24 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) की टीमों की भागीदारी वाले इस पांच दिवसीय टूर्नामेंट के पहले दिन कई रोमांचक मुकाबले खेले गए जिनमें मेज़बान एनआईटी श्रीनगर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान की शुरुआत 10 विकेट की शानदार जीत के साथ की। पहले मुकाबले में एनआईटी श्रीनगर ने एनआईटी मणिपुर को 20 ओवर में 121/8 के स्कोर पर रोक दिया। डॉ. शकील वसीम ने 4 विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की जबकि डॉ. माजिद हुसैन ने दो विकेट हासिल किए। जवाब में एनआईटी श्रीनगर ने महज 6.4 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य हासिल कर लिया। आकिब शेख ने मात्र 33 गेंदों में नाबाद 103 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें 17 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। कप्तान फैसल इरशाद 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। अन्य मुकाबलों में एनआईटी जालंधर ने एनआईटीके सुरथकल को 23 रन से हराया। एनआईटी उत्तराखंड ने कुलदीप ठाकुर की 90 रन की विस्फोटक पारी और हितेश शर्मा की 6 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एनआईटी आंध्र प्रदेश को 49 रन से मात दी। एनआईटी जमशेदपुर ने एमएनएनआईटी इलाहाबाद को पांच विकेट से पराजित किया। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला एनआईटी पुडुचेरी और मैनिट भोपाल के बीच खेला गया जो टाई पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों ने निर्धारित 20 ओवर में 164-164 रन बनाए और अंक साझा किए। वहीं एनआईटी कालीकट ने एनआईटी दिल्ली को नौ विकेट से हराया जबकि एनआईटी हमीरपुर ने एनआईटी सिक्किम को नौ विकेट से शिकस्त दी। एक अन्य करीबी मुकाबले में वीएनआईटी नागपुर ने एनआईटी सिलचर को तीन विकेट से पराजित किया। एनआईटी श्रीनगर की मेजबानी में आयोजित यह पांच दिवसीय चैंपियनशिप खेल भावना, आपसी सहयोग और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में देशभर के 24 एनआईटी संस्थानों के फैकल्टी और स्टाफ सदस्य भाग ले रहे हैं जिससे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी समन्वय और भाईचारे का भी संदेश दिया जा रहा है।